दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

शुभ धनतेरस

Happy Dhanteras

एवं मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स परिवार की ओर से...

वर्ष 2 ■ अंक 292 ■ जबलपुर, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

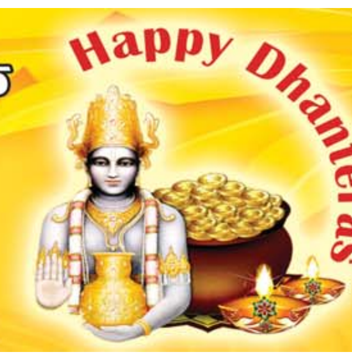

अफगान बॉर्डर के पास विस्फोटक लदी गाड़ी दीवार से टकराई, हमलावर भी मारा गया

पाकिस्तानी आर्मी कैंप पर आत्मघाती हमला, 7 सैनिकों की मौत, 13 घायल

वजीरिस्तान। पाकिस्तान में अफगान बॉर्डर के नजदीक नॉर्थ वजीरिस्तान में आर्मी कैंप पर आत्मघाती हमला हुआ है। हमले में 7 सैनिक मारे गए हैं, जबकि 13 लोग घायल हो गए। हालांकि अधिकारियों ने दावा किया है कि उनका कोई सैनिक नहीं मारा गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को मीर अली इलाके में बने आर्मी कैंप की दीवार से टकरा दिया। धमाके में गाड़ी चला रहा हमलावर भी मारा गया। इसके बाद 3 उग्रवादी कैंप के अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, जो जवाबी कार्रवाई में मारे गए।

पाकिस्तान तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) ने मीर अली में सुरक्षा बलों पर हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। TTP ने कहा कि उनके खालिद बिन वलीद आत्मघाती दस्ते और तहरीक तालिबान गुलबहार ने इस हमले को अंजाम दिया। लोकल मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना ने सुरक्षा के मद्देनजर हमलावर हेलिकॉप्टर तैनात कर दिए हैं। हाल के महीनों में यह उत्तर वजीरिस्तान के सबसे बड़े हमलों में से एक माना जा रहा है।

पाक गृह मंत्री बोले- पूरी कौम को अपने सैनिकों पर गर्व

पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने उग्रवादियों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों की तारीफ की है। उन्होंने कहा- हमारे बहादुर जवानों को सलाम, जिन्होंने ख्वारिज (आतंकियों) की नापाक साजिश को नाकाम कर दिया। पूरी कौम को अपने वीर सैनिकों पर गर्व है। पिछले कुछ हफ्तों में उत्तरी वजीरिस्तान और अन्य क्षेत्रों में उग्रवादियों के हमले बढ़े हैं। इसके चलते सुरक्षा बलों की सतर्कता बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान में मौजूद कुछ आतंकी समूह इन हमलों में शामिल हैं, जबकि

अफगान सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है। इन हमलों के पीछे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को जिम्मेदार बताया जाता रहा है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बना TTP

2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से TTP ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ रखा है। TTP को पिछले बारह साल में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा आतंकवादी खतरा माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि TTP के लड़ाके सीमा पार अफगानिस्तान से ट्रेनिंग लेकर पाकिस्तान लौटते और हमला करते हैं। हालांकि तालिबान दावा करता है कि वह TTP का समर्थन नहीं करता। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, देश में आतंकवादी हमले 2015 के बाद सबसे ज्यादा हो गए हैं, और TTP इसकी मुख्य वजह है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक के इन हमलों की वजह से ही पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

अमेरिकी हमले के जवाब में TTP का गठन

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) बनाया। TTP ने कबायली इलाकों में शरिया कानून लागू किया और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान में विदेशी सैनिकों पर हमले किए। TTP ने यूनिवर्सिटीज, धार्मिक नेताओं और नागरिक ठिकानों को भी निशाना बनाया, और यहां तक कि पाकिस्तान के बड़े शहरों में भी हमले किए। पाकिस्तानी सेना और अमेरिकी ड्रोन हमलों के बावजूद, पाकिस्तानी तालिबान को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका। 2018 में पाकिस्तान ने TTP पर जीत की घोषणा की थी, लेकिन बाद में यह गलत साबित हुआ। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। ळळढ के हमलों में 90% की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देश भर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90% इसी इलाके में हुईं। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91% ज्यादा हैं।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट बोला - ये आम अपराध नहीं

पूरी न्याय व्यवस्था पर हमला; दिल्ली में इस साल 1,000 करोड़ के साइबर फ्रॉड

नई दिल्ली। देश में बढ़ती ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। अदालत ने खुद पहल करते हुए केंद्र सरकार और उझक से इन मामलों में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि यह कोई आम अपराध नहीं है। कोर्ट के नाम, मुहर और आदेशों की नकली कॉपी बनाना पूरी न्याय व्यवस्था पर सीधा हमला है। दरअसल, ठगों ने हरियाणा के अंबाला जिले में 73 साल के बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपए ठग लिए थे। उन्होंने दंपती को सुप्रीम कोर्ट और जांच एजेंसियों के नकली आदेश और जजों के फर्जी साइन दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया था। घटना के बाद महिला ने 21 सितंबर को चीफ जस्टिस बीआर गवई को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद ही इस मामले पर एक्शन लिया। वहीं, दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 2025 में साइबर अपराधियों ने लोगों से करीब 1,000 करोड़ रुपए ठगे। इस साल इन्वेस्टमेंट स्कैम, डिजिटल अरेस्ट और बॉस स्कैम ठगी के सबसे ज्यादा आम तरीके बने।

ठगों ने दंपती को फेक कोर्ट ऑर्डर दिखाए- महिला ने बताया कि ठगों ने खुद को उझक एऊ अधिकारी बताया। उन्होंने ऑडियो और वीडियो कॉल्स के जरिए दंपती को फेक कोर्ट ऑर्डर दिखाए, जिन पर कोर्ट की मोहर और जजों के नकली साइन थे। इसके बाद ठगों ने धमकाकर अलग-अलग बैंक खातों में 1.05 करोड़ ट्रांसफर करवाए।

केंद्र, उझक और हरियाणा पुलिस को आदेश- सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से मदद मांगी है और हरियाणा सरकार व अंबाला साइबर क्राइम यूनिट को निर्देश दिया है कि अब तक की जांच की पूरी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराधों का देशभर में फैलता नेटवर्क सामने आ रहा है। इसलिए सिर्फ एक मामले की जांच नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य पुलिस को मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई करनी होगी। साल 2024 में दिल्ली के लोगों से करीब 1,100 करोड़ रुपए की साइबर ठगी हुई थी।

पंजाब डीआईजी की चंडीगढ़ कोठी से 7.5 करोड़ मिले

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के DIG हरचरण सिंह भुल्लर की कोठी और फार्महाउस से मिले सामान की पूरी डिटेल उझक ने जारी की है। चंडीगढ़ स्थित कोठी से साढ़े 7 करोड़ कैश, ढाई किलो सोने की ज्वेलरी, लग्जरी घड़ियां, हथियार, बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स और 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट मिले। वहीं, लुधियाना स्थित फार्महाउस से शराब के साथ कैश और कारतूस मिले हैं। इसके अलावा बिचौलिए के घर से 21 लाख कैश और कुछ डॉक्यूमेंट मिले हैं।

CBI को कहां से क्या मिला....

चंडीगढ़ कोठी: चंडीगढ़ के सेक्टर 40 में स्थित कोठी से साढ़े 7 करोड़ कैश, ढाई किलो सोने की ज्वेलरी, रोलेक्स व राडो समेत 26 लग्जरी घड़ियां, 100 जिंदा कारतूस समेत 4 हथियार, लॉकर की चाबियां, मल्टीपल बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स, 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट मिले हैं। इनमें से कुछ प्रॉपर्टी फैमिली मेंबर के नाम पर हैं। कुछ बेनामी हो सकती हैं। **समराला में फार्महाउस:** लुधियाना के समराला स्थित उक्क्ष् के फार्महाउस से 108 बोतल शराब, 5.70 लाख रुपए कैश और 17 जिंदा कारतूस मिले हैं। **बिचौलिए का घर:** 21 लाख रुपए कैश और कई तरह से संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। शुक्रवार को उक्क्ष् और उनके बिचौलिए कृष्णु को शुक्रवार को चंडीगढ़ की स्पेशल उझक कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में लगातार तीसरे साल टॉप पर, साइकोलॉजी लैब और स्टूडियो क्लास बनी पहचान

भोपाल का मॉडल स्कूल बना M P का सर्वश्रेष्ठ स्कूल

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर स्थित मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल को एजुकेशन वर्ल्ड पोर्टल से जारी साल 2025-26 की रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ सरकारी स्कूल घोषित किया गया है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूल कैटेगरी में दिया गया। स्टूडियो क्लास, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, साइकोलॉजी लैब, मेंटल वेल-बीइंग सेवाओं और बेहतर रिजल्ट के लिए यह सम्मान दिया गया है। एजुकेशन वर्ल्ड हर साल देशभर के सरकारी और निजी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा परिणाम, सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल, शिक्षकों की उपलब्धता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और छात्रों के समग्र विकास के आधार पर रैंकिंग जारी करता है। इस प्रक्रिया में देशभर के स्कूलों को निर्धारित मानकों पर अंक दिए जाते हैं। मॉडल स्कूल टीटी नगर ने इन सभी श्रेणियों में उच्चतम स्कोर हासिल किया है।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष फोकस

स्कूल में स्थापित साइकोलॉजी लैब में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की नियमित जांच होती है। यहां समय-समय पर टेस्ट लेकर देखा जाता है

कि कोई छात्र पढ़ाई के बोझ या निजी कारणों से तनाव में तो नहीं है। इसके अलावा शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे बच्चों से संवाद कर उनकी भावनात्मक स्थिति समझ सकें।

स्टूडियो क्लास बना उदाहरण

मॉडल स्कूल ने पिछले वर्ष स्टूडियो क्लास की शुरूआत की थी। इस क्लास से अन्य सरकारी स्कूल वर्चुअली जुड़ते हैं और मॉडल स्कूल में चल रहे लेक्चर का सीधा फायदा उठाते हैं। इससे राजधानी ही नहीं बल्कि ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों के छात्र भी गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

लगातार तीसरे साल कायम रखा स्थान

यह लगातार तीसरा साल है। जब मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल ने सरकारी स्कूलों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता के बाद यह प्रदेश का एकमात्र स्कूल बन गया है जो लगातार तीन वर्षों से देश के सर्वश्रेष्ठ सरकारी स्कूलों में गिना जा रहा है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वित्तीय सलाहकार विनय प्रताप सिंह ने स्कूल की प्राचार्य रेखा शर्मा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य शर्मा ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मॉडल स्कूल का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों का है। हमने साबित किया है कि संसाधन सीमित हों तो भी समर्पण और नवाचार से बदलाव संभव है। रेखा शर्मा ने बताया कि आने वाले सत्र में स्कूल में डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल, इनोवेशन लैब और करियर काउंसलिंग सेंटर शुरू करने की योजना है। इससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा और करियर मार्गदर्शन दोनों एक ही जगह मिलेंगे।

गाड़ी को मोडिफाई करवाना पड़ा महंगा पुलिस ने ठोंका 1 लाख रुपए जुमार्ना

सूरजपुर। अगर आपके पास गाड़ी है और उसे मोडिफाई करवाने की सोच रहे हैं, तो यह ख्याल मन से त्याग दीजिए, क्योंकि मोडिफाई करवाने पर लाखों का जुमार्ना भरना पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश के सूरजपुर जिले में एक पिकअप वाहन के मालिक पर वाहन में किए गए गैर-कानूनी बदलाव करने पर एक लाख का जुमार्ना भरना पड़ा। यह मामला थाना चंदौरा क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान सामने आया, जहां पुलिस ने वाहन संख्या यूपी 53 जेटी 0542 की पिकअप में कंपनी द्वारा निर्धारित ट्रॉली को बिना आरटीओ अनुमति के बिना बदलाव करने का उल्लंघन पाया। पुलिस ने वाहन मालिक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 182(क)(1) के तहत मामला दर्ज किया और इसे स्थानीय अदालत प्रतापपुर में पेश किया। अदालत ने अवैध संशोधन को गंभीरता से लेते हुए वाहन मालिक पर एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में जिला पुलिस यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि वाहनों में अवैध संशोधन न केवल सडक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है, बल्कि दुर्घटनाओं को भी आमंत्रित करता है। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सूरजपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों में किसी भी प्रकार का अनधिकृत संशोधन न करें। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, कि ऐसे बदलाव दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं और नागरिकों को भारी जुमार्ना भरना पड़ सकता है।

मुख्य सचिव ने 23 अक्टूबर तक मांगी रिपोर्ट,28 को हाईकोर्ट में पेश करेंगे जबाव

पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति पर बड़ी बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर सरकार ने तेजी दिखाई है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि एससी, एसटी और अन्य वर्गों की पदोन्नति की स्थिति स्पष्ट करने वाली रिपोर्ट 23 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। इन रिपोर्टों के आधार पर एक संयुक्त रिपोर्ट (एकजाई रिपोर्ट) तैयार की जाएगी, जिसे 28 अक्टूबर को हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

रिपोर्ट में बताएं-किस वर्ग को कितना आरक्षण मिला- मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि रिपोर्ट में यह साफ किया जाए कि अब तक किस वर्ग को कितना आरक्षण मिला है और कितना शेष है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई हाईकोर्ट के गुरुवार के निर्देशों के तहत की जा रही है। कोर्ट ने कहा था कि जब तक विभागवार ऑडिट रिपोर्ट नहीं मिल जाती, तब तक डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की अनुमति नहीं दी जा सकती।

नए पदोन्नति नियमों के अनुरुप हो रिपोर्ट- बैठक में यह भी बताया गया कि 17 जून 2025 को जारी नए पदोन्नति नियमों और प्रावधानों को सभी विभागों को ध्यानपूर्वक पढ़ने और उसके अनुरूप रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी संख्यात्मक स्थिति स्पष्ट करे ताकि यह पता चल सके कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों का प्रतिनिधित्व किस स्तर पर है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश के 55 विभागों में से 30 विभागों की ऑडिट रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जबकि बाकी विभागों की रिपोर्ट प्रक्रिया में है।

धनतेरस आज

गुजरात में 3 साल में पूरी कैबिनेट बदली

कल 16 मंत्रियों का इस्तीफा, आज 26 की शपथ 19 नए चेहरे, C M समेत पटेल समाज के 8 मंत्री

गांधीनगर। गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में उट भूपेंद्र पटेल को छोड़कर लगभग पूरी सरकार बदल दी है। गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं, जबकि पिछली बार के 6 मंत्री ही अपना पद कायम रख पाए हैं। वहीं, 8 डइउ, 3 रउ, 4 रळ और 3 महिलाएं हैं। उट समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। खास बात यह है कि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी माना जा रहा है।

फेरबदल की 5 वजह, चुनावी तैयारी और जातीय संतुलन अहम

स्ट्रेटेजिक रीसेट: भाजपा ने सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा मांगा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले। कमजोर परफॉर्मेंस: कई मंत्रियों का प्रदर्शन कमजोर था। पार्टी उनकी जगह नए चेहरे लाना चाहती थी। जातीय समीकरण: पिछली कैबिनेट में 16 मंत्री थे। भाजपा पटेल कम्युनिटी को ज्यादा जगह देना चाहती थी। लोकल इलेक्शन: गुजरात में अगले कुछ महीनों में लोकल बॉडी चुनाव हैं। बिसावदर विधानसभा उपचुनाव हारने के बाद भाजपा नए चेहरों को मौका देना चाहती है। ज्यादा नेताओं की हिस्सेदारी: गुजरात विधानसभा में 182 सीटें हैं। अभी 16 मंत्री थे, जबकि कुल सीटों के 15% के हिसाब से मुख्यमंत्री के साथ 26 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

हर्ष सिंघवी का प्रमोशन, जडेजा की पत्नी भी मंत्री- शुक्रवार को सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी उट बनाया गया है। पिछली कैबिनेट में वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है।

भूपेन्द्र का यह तीसरा मंत्रिमंडल होगा- भूपेन्द्र पहली बार सितंबर 2021 में उट बने थे। तब विजय रूपाणी को अचानक हटाकर उन्हें उट बनाया था। फिर विधानसभा चुनाव के बाद 12 दिसंबर 2022 को वह तीसरी बार उट और 16 विधायक मंत्री बने। अब नया मंत्रिमंडल बन रहा है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल कैबिनेट का विस्तार हो गया है। इसके बाद लोग लगातार गुजरात के बारे में गूगल पर सर्च कर रहे है। पिछले कुछ दिनों का ग्राफ देखा जाए तो साफ समझ आता है कि गुजरात की सर्चिंग से जुड़ा ग्राफ तेजी से बढ़ा है। नीचे देखें गूगल ट्रेंड्स...

हर्ष संघवी के डिप्टी सीएम बनने पर समर्थकों ने जश्न मनाया

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340053112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

जबलपुर, मंडला, भोपाल, बालाघाट, डिंडोरी, सिवनी, नरसिंहपुर, ग्वालियर, मुरैना से एक साथ प्रसारित

सार्वजनिक स्थलों से गायब हो रहे वाटर कूलर नगर पालिका की लापरवाही बनी जनहित के लिए खतरा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नगर पालिका मंडला की मनमानी और लापरवाही के चलते शहर के नगर के सार्वजनिक स्थलों,चौक चौराहों, और बाजार क्षेत्रों में लगे वाटर कूलर या तो खराब हो गए हैं या फिर पूरी तरह से गायब कर दिए गए हैं। इन वाटर कूलरों से गर्मी के मौसम में हजारों लोगों को शुद्ध व ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जाता था, लेकिन अब ये केवल यादें बन कर रह गए हैं। नगर पालिका की निष्क्रियता लापरवाही के कारण इनकी संख्या दिन-ब-दिन घटती जा रही है और यह स्थिति शहरवासियों में नाराजगी और आक्रोश का कारण बन रही है।

जनता के लिए जरूरी थे वाटर कूलर

वही नगर पालिका द्वारा विगत वर्षों में शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों चौक-चौराहों, तिराहों, स्कूलों के आसपास और बाजार क्षेत्रों में वाटर कूलर स्थापित किए गए थे। इनका उद्देश्य हर वर्ग के लोगों को साफ और ठंडे पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना था, जिससे आम नागरिक, दुकानदार, राहगीर और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने जाने वाले लोग पानी पी कर अपनी प्यास बुझा सकें। गर्मी सर्दी बारिश के दिनों में ये वाटर कूलर हर समय लोगों के लिए जीवनदायिनी सुविधा से कम नहीं थे। परंतु वर्तमान में हालात ये हैं कि कई जगहों पर ये वाटर कूलर या तो बंद पड़े हैं और फिर पूरी तरह से हटा दिए गए हैं।
नगर पालिका की व्यवस्था की पोल खोल रही है।

नेहरू स्मारक और बिझिया तिराहा ज्ञानदीप स्कूल बने उदाहरण

सूत्रों से जानकारी के अनुसार, बिझिया तिराहा स्थित और ज्ञानदीप स्कूल के सामने पहले वाटर कूलर स्थापित था, साथ ही श्रमिकों के लिए एक शेड भी बनाया गया था। यहां रोजाना सैकड़ों स्थानीय और बाहर से आये मजदूर काम की तलाश में इकट्ठा होते हैं और इसी वाटर कूलर से अपनी प्यास बुझाते थे। लेकिन नगर पालिका ने बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के इसे उखाड़ दिया।इसी तरह, शहर के एक प्रमुख स्थल नेहरू स्मारक में लगा वाटर कूलर भी हाल ही में रहस्यमय तरीके से गायब हो गया है। लाखों रुपये की लागत से लगाए गए ये वाटर कूलर अब कहां हैं, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नगर पालिका नहीं दे पा रही है। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन वाटर कूलरों को क्यों हटाया गया और क्या इनकी जगह कोई नई व्यवस्था की गई है।

रखरखाव में घोर लापरवाही

नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा इन वाटर कूलरों के रखरखाव को लेकर बरती जा रही लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है। कई स्थानों पर वाटर कूलर महीनों से खराब पड़े हैं, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो इन्हें सुधारा गया और न ही बदला गया। जनता का आरोप है कि नगर पालिका के अधिकारी केवल फाइलों में योजनाएं बना रहे हैं, जबकि धरातल पर स्थिति बिल्कुल विपरीत है। वाटर कूलरों के लिए न तो नियमित सफाई की जाती है, न ही उनकी मरम्मत की कोई जिम्मेदारी तय की गई है। यही कारण है कि गर्मी के भीषण दिनों में भी लोगों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप

शहर के नागरिकों में यह धारणा बनती जा रही है कि नगर पालिका में बैठे कुछ अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। जबसे नए अधिकारी का आगमन हुआ है, तबसे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की भारी अनदेखी हो रही है। वाटर कूलरों के मामले में भी ऐसी ही स्थिति देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखो रुपये की लागत से लगाए गए वाटर कूलर अगर कुछ वर्षों में ही खराब हो जाते हैं या गायब हो जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। नागरिकों का यह भी आरोप है कि नगर पालिका के भीतर कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच साठगांठ है, जिसके चलते निम्न गुणवत्ता वाले निर्माण कार्यों को हरी झंडी दे दी जाती है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी

यह भी एक गंभीर मुद्दा है कि नगर पालिका की इस लापरवाही पर जनप्रतिनिधि पूरी तरह से मौन हैं। न तो किसी पार्षद ने इस विषय पर आवाज उठाई है, और न ही किसी जनप्रतिनिधि ने प्रशासन से कोई ठोस कार्रवाई की मांग की है। जनता सवाल कर रही है कि जो सुविधाएं उनके टैक्स के पैसों से बनाई गई थीं, वे अगर लापरवाही या भ्रष्टाचार के कारण समाप्त हो रही हैं, तो फिर जवाबदेही किसकी हो। वही वाटर कूलर जैसे साधारण दिखने वाले लेकिन बेहद जरूरी सार्वजनिक संसाधन की उपेक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नगर पालिका मंडला की प्राथमिकता में आम जनता की सुविधा नहीं है।

इनका कहना है कि

नेहरू स्मारक में लगा वाटर कूलर दूसरी जगह लगाया जायगा जगह की तलाश की जा रही है और ज्ञानदीप स्कूल के सामने वाला वाटर कूलर वही आसपास लगा होगा मेरी जानकारी में नही है।

गजानन नाफड़े, सी एम ओ नगर पालिका मंडला

कलेक्टर पहुंचे आदिवासी बालक, बालिका छात्रावास, छात्र-छात्राओं संग मनाई दीपावली

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा आज मंडला के शासकीय नवीन सीनियर आदिवासी बालिका एवं कटरा स्थित सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास पहुंचे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने दीपावली पर्व के पाँच दिन मनाए जाने वाले प्रत्येक त्यौहार को मनाए जाने का कारण पूछा। छात्र-छात्राओं ने सभी त्यौहार के बारे में एक-एक कर बताया। उन्होंने बताया कि दीपावली पाँच दिनों का पर्व है। धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज तक चलता है। इस दौरान धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के रूप में त्यौहार मनाए जाते हैं। छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर श्री मिश्रा को स्वनिर्मित ग्रीटिंग्स कार्ड भेंट किए और दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। कलेक्टर ने यहां मौजूद छात्र-छात्राओं को सुरक्षित रूप से पटाखे जलाने और पर्यावरण का ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व खुशियों और प्रकाश का प्रतीक है, इसे सद्भाव, स्वच्छता और सुरक्षा के साथ मनाना चाहिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को उपहार, मिठाई भेंट की। इसके पश्चात छात्रावास परिसर में फुलझड़ी एवं पटाखे भी चलाए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में उत्सव और उल्लास का माहौल रहा। कलेक्टर ने छात्र-छात्राओं की तैयारी और अनुशासन की सराहना करते हुए उन्हें अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि त्यौहार के पश्चात वापस आकर अपनी पढ़ाई में लग जायें। बालिका छात्रावास परिसर में कार्यक्रम की शुरूआत कुमारी नीतिका मशराम द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कक्षा 12वीं की छात्रा नीतिका कुशराम ने सभी को दीपावली पर्व के महत्व, परंपराओं और मनाने के तरीके की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सीडाम, एसी ट्राइबल श्रीमती वंदना गुप्ता, श्री रंजीत गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और छात्रावास के छात्र-छात्राएँ मौजूद थे।

प्रशासन ने सहायता उपलब्ध नहीं कराई

मंडला में किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली: कहा- पराली जलाने पर छूट दी जाए

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के नैनपुर क्षेत्र में किसानों ने शुक्रवार को ग्राम निवारी में प्रदर्शन किया। इस दौरान 300 से अधिक किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली और पराली जलाने पर कानूनी कार्रवाई से राहत की मांग की। भारत कृषक समाज, नैनपुर के बैनर तले किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर को सौंपा। इसमें पराली जलाने संबंधी कानूनी कार्रवाई के आदेश में छूट देने की मांग की गई। किसानों का कहना है कि वर्तमान में मंडला जिले में फसल अवशेष प्रबंधन के लिए प्रशासन ने कोई सरकारी यंत्र या सहायता उपलब्ध नहीं कराई है। अन्य राज्यों की तरह यहां भी सरकारी प्रावधानों का अभाव है।

अवशेष प्रबंधन यंत्र कस्टम हायरिंग उपलब्ध कराया जाए- उन्होंने बताया कि क्षेत्र की आवश्यकतानुसार अवशेष प्रबंधन यंत्र कस्टम हायरिंग केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने चाहिए थे, ताकि सभी किसानों को लाभ मिल सके। बिना सुविधा दिए पराली जलाने पर कार्रवाई का आदेश ठीक नहीं है। जब तक फसल अवशेष प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक इस आदेश से राहत दी जाए।

खराब रोड से खेतों तक पहुंचना मुश्किल

इसके अतिरिक्त, किसानों ने ग्राम पंचायतों में खेतों तक जाने वाले खराब 'गोहा' (मार्गों) की समस्या भी उठाई। उन्होंने बताया कि सड़कों की जर्जर हालत के कारण खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है और पंचायतें सुधार कार्य नहीं करा रही हैं। किसानों ने प्रशासन से सभी ग्रामों में 'गोहा' निर्माण कार्य कराने का आदेश जारी करने की मांग की। एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर ने किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

मंदिर को भी नहीं बख्श रहे शराबी श्रद्धास्थलों के पास शराबखोरी से स्थानीय में आक्रोश

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिला जिसे माँ नर्मदा तीन तरफ से घेरे हुए है माँ रेवा की गोद मे बसा नगर को शराब माफियाओं की गंदी नजर लग चुकी है, और प्रतिबंधित क्षेत्र शराब बन्द के बाद भी पुलिस विभाग और आबकारी विभाग की ठेकेदार के साथ जुगलबन्दी से जनता त्रस्त नजर आ रही है,। वही तत्तकालीन शिवराज सरकार द्वारा नर्मदा नदी से पाँच किलोमीटर की परिधि में शराब दुकानों पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद उम्मीद की जा रही थी कि नगर में शराब ठेकेदारों न आतंक मचा रखा है और शराबखोरी पर अंकुश लगेगा, परंतु स्थिति इसके ठीक उलट हो गई है।। नगर में जहाँ कुछ सरकारी दुकानें बंद हुई, वहीं अब अवैध रूप से सैकड़ों घर शराब बिक्री केंद्र में तब्दील हो चुके हैं। आलम यह है कि हर वार्ड में शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है और कुछ जगहों पर तो ह्लघर पहुँच सेवाह्व तक दी जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा समय–समय पर छापेमारी कर अवैध शराब का जखीरा जब्त किया जा रहा है. लेकिन कार्रवाई के बावजूद कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला इंदिरा जी वार्ड बुधवारी बाजार का है, जहाँ वैद्यघाट मार्ग पर कुछ घरों में खुलेआम शराब बेची और परोसी जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इन्हीं घरों के समीप भगवान शिव का प्राचीन, शिवलिंग विराजमान है, जहाँ प्रतिदिन श्रद्धालु पूजा–अर्चना के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि शराबी अक्सर मंदिर के पास बैठकर नशा करते हैं और बोतलें वहीं फेंक देते हैं, जिससे मंदिर परिसर की पवित्रता भंग हो रही है। पूजा के समय माताओं–बहनों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और माहौल असहज हो जाता है। वही श्रद्धालुओं का कहना है कि यह न केवल धार्मिक भावनाओं का अपमान है बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी शराब ठेकेदार और पेकारी ने चुनौती बन दिया है। जनता ने जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि ऐसे स्थलों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए और मंदिरों व धार्मिक स्थानों के आस–पास शराब विक्रय व सेवन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। श्रद्धालु और स्थानीय लोग एक स्वर में कह रहे हैं ह्लधर्म और नशा एक साथ नहीं चल सकते, मंदिरों की पवित्रता बचाना हम सबका कर्तव्य है।

अज्ञात कारण से सूने मकान में लगी आग घर मे रखा सामान हुआ खाक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। टिकरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुखराम में गत रात्रि एक सूने मकान में आग लग गई। देखते ही देखते मकान के अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया । गांव में अफरा तफरी मच गई। आगजनी की सूचना दमकल विभाग को दी गई लेकिन आग पर नियंत्रण करने से पहले सबकुछ जलकर खाक हो गया। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। बताया गया है कि ग्राम सुखराम निवासी सिंगराम धूमकेती पिता बड़कू धूमकेती के मकान में देर रात अज्ञात कारण से आग लग गई। कुछ मिनिटो में ही आग तेजी से फैली और देखते ही देखते पूरे मकान को चपेट में ले लिया। आग की सूचना मिलते ही टिकरिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और कंट्रोल रूम के माध्यम से निवास और मंडला मुख्यालय से दमकल वाहनों को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।टिकरिया थाना प्रभारी गोपाल घासले ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

घुघरी में उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घुघरी के निर्देशन में राजस्व विभाग एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के संयुक्त दल द्वारा ग्राम टिकरिया और पांडकला स्थित उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में अनाज वितरण, स्टॉक पंजी, माप-तौल उपकरणों तथा उपभोक्ता सूची की जांच की गई। दल ने यह भी सुनिश्चित किया कि खाद्य सामग्री का वितरण नियमों के अनुसार एवं पारदर्शिता से किया जा रहा है। अधिकारियों ने संबंधित दुकान संचालकों को निर्देश दिए कि वे सभी अभिलेख अद्यतन रखें, उपभोक्ताओं को समय पर और सही मात्रा में सामग्री प्रदान करें तथा दुकान परिसर में सूचना पटल का प्रदर्शन अनिवार्य रूप से करें। निरीक्षण के दौरान दल ने उचित मूल्य की दुकानों की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया और आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश मौके पर ही दिए।

केंद्र सरकार से मांगा आजीवन कारावास का प्रावधान

जनजाति मंच का धर्मांतरण के विरोध में प्रदर्शन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला में जनजाति स्वाभिमान सुरक्षा मंच ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट मार्ग पर धर्मांतरण के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। मंच के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने देशभर में बढ़ती धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से इस पर कठोर कानून बनाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पूर्व रिटायर्ड जज नारीमन, जो स्वयं ईसाई हैं, ने ईसाई संगठनों के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है।

इस याचिका में उन राज्यों के धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम को रद्द करने की मांग की गई है, जहां धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। मंच ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी नोटिसों में अनुसूचित जनजाति आयोग और अनुसूचित जाति आयोग को शामिल नहीं किया गया, जबकि इन समाजों में सर्वाधिक धर्मांतरण हो रहा है। मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि धर्मांतरण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि ह्लराष्ट्रांतरणह्व का भी रूप ले चुका है। उन्होंने दावा किया कि इसके कारण देश के कई मूल जनजातीय समाज जैसे नागा और बोडो जनजाति विलुप्ति के कगार पर हैं। मंच के अनुसार, धर्मांतरण के चलते देश के 9 राज्यों और लगभग 200 जिलों में हिंदू समाज अल्पसंख्यक होने की स्थिति में पहुंच गया है।

मंच ने तीन प्रमुख मांगें रखीं

धर्मांतरण के विरुद्ध आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान करते हुए कठोर कानून बनाया जाए; धर्मांतरण में लिप्त शिक्षण एवं स्वास्थ्य संस्थानों को बंद कर उन पर 50 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाए तथा विदेशी संस्थाओं द्वारा एनजीओ के माध्यम से दिए जा रहे आर्थिक सहयोग को तत्काल रोका जाए। प्रदर्शन के दौरान मंच के कई पदाधिकारी और समाज के सदस्य उपस्थित थे।

न्यायालय से चेहरा छिपाते निकला आरोपी निलंबित मुंशी

साथ जुआ खेलने जाने वाले दो और आरोपी गिरफ्तार, घेरा बनाकर न्यायालय से आरोपियों को लेकर गई, मीडिया को जानकारी से रखा जा रहा दूर

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मालखाने से एक साल से ज्यादा समय से, अपराधो में जब्त रूपए और जेवर पार करने वाला आरोपी निलंबित मुंशी, राजीव पंद्रे, शुक्रवार को न्यायालय से बाहर आते समय मुंह छिपाते निकला। जबकि उसके साथी अन्य आरोपियो को पुलिस, मीडिया से दूरी बनाते हुए घेरे में ले गई।

इस मामले में जुआ खिलाने वाले सिवनी निवासी विकास श्रीवास्तव उर्फ लाला के बाद पुलिस ने आरोपी पुलिसकर्मी राजीव पंद्रे के साथ जुआ खेलने जाने वाले दो आरोपी ऋतुराज मोहारे और हेमराज रनगिरे को पकड़ा है। हालांकि सूत्र बताते है कि जब तक पुलिस, इन दो आरोपियो तक पहुंचती, इन्हें, मुख्य आरोपी राजीव पंद्रे द्वारा उनका नाम पुलिस को बताए जाने की जानकारी मिल गई थी। जिसके बाद दोनो ही आरोपियों ने स्वयं सरेंडर कर दिया। जिनके साथ ही शुक्रवार को राजीव पंद्रे और विकास श्रीवास्तव उर्फ लाला की रिमांड अवधि खत्म होने पर पुलिस ने सभी चार आरोपियो को न्यायालय में पेश किया। जिसमें पुलिस ने एक बार फिर आरोपियों की रिमांड, न्यायालय से ली है। मामले की जांच कर रही डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर ने बताया कि आरोपी राजीव पंद्रे को 20 अक्टूबर और उसके साथी विकास श्रीवास्तव उर्फ लाला, ऋतुराज मोहारे, हेमराज रनगिरे को दो दिन की रिमांड पर लिया गया है।

आपको बताते चले कि कोतवाली थाना के मालखाना प्रभारी, प्रधान आरक्षक (मुंशी) राजीव पंद्रे को 55 लाख 13 हजार एक सौ रूपए, का भ्रष्टाचार करने के मामले में 12 अक्टूबर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

जिसके, पांच दिन बाद इस मामले में जांच कर रही पुलिस टीम ने 3 आरोपियों को ही गिरफ्तार किया है। जबकि सूत्र बताते है कि अमानत में खयानत करने वाले, पुलिसकर्मी राजीव पंद्रे ने लाखो रूपए का जुआ, ना केवल सिवनी, बल्कि महाराष्ट्र के गोंदिया और अर्जुनी में खेला है। पुलिस ने सिवनी से आरोपी विकास श्रीवास्तव उर्फ लाला को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन महाराष्ट्र के जिन स्थानो में आरोपी राजीव पंद्रे जुआ खेलने जाता था।

वहां के कनेक्शन का अब तक पता नहीं लगाए जाने से जांच पर सवाल भी खड़े हो रहे है। वहीं दूसरी ओर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने इस मामले में एक बार फिर पुलिस पर हमला बोलते हुए जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों पर भी लापरवाही बरतने के मामले में कार्यवाही की मांग की है। वही शहर में पुलिस की विश्वसनियता और वर्दी की शान को दागदार करने वाले राजीव पंद्रे के कृत्य को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं है। वहीं मामले से जुड़ी अधिकारिक जानकारी भी मीडिया से साझा नहीं कर रहे है। जिससे भी मामले की जांच पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे है।

बैहर में अल्पविराम कार्यशाला हुई सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 17 अक्टूबर को बैहर विकासखंड में एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सदस्य मंशाराम मड़ावी, जनपद सीईओ बीएस मेरावी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं आनंद विभाग से मास्टर ट्रेनर नीलम विश्वकर्मा, हंसराज भौतेकर, आनंदम सहयोगी कमलकांत बिठले एवं ब्लॉक समन्वयक महेश पटले द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। शुभारम्भ सत्र में विकासखंड समन्वयक महेश पटले द्वारा अल्पविराम कार्यक्रम के उद्धेश्य से अवगत कराया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को जीवन में आनंद कैसे प्राप्त हो, इस विषय पर चर्चा की गई। कार्यशाला में सत्र प्रशिक्षक हंसराज भौतेकर द्वारा लाइफ बैलेंस शीट एवं संपर्क-सुधार-दिशा के सत्र लिए गए एवं उनके द्वारा व्यवहार परिवर्तन से जीवन को मिली दिशा से जुड़े अनुभव साझा किए गये। मास्टर ट्रेनर नीलम विश्वकर्मा ने मुक्ति पात्र के माध्यम से बताया कि क्या मैं जैसा बाहर से दिखाई देता हूँ वैसा भीतर से हूँ तथा लोगों से भी वैसी अपेक्षा रखता हूँ, अब मैं अपने जीवन में आनंद की अनुभुति प्राप्त कर रहा हूँ। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने भी उत्सुकता से सहभागिता दी। कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय विभागों-स्कूल शिक्षा, स्वास्थ, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पुलिस मत्स्य विभाग पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारीगणों सहित नवांकुर राजेन्द्र बिसेन मंजुलता चौधरी परामर्शदाता शिवनाथ यादव सुरेश यादव ओमेश्वरी राहंगडाले आकांक्षा तेकाम भंवरसिंह मेरावी ने उपस्थित रहकर अपना सराहनीय योगदान दिया।

मरते दम तक जेल में रहेगा दुष्कर्मी

दो साल बाद आया फैसला, नाबालिका से दुष्कर्म मामले में विशेष न्यायालय ने सुनाई सजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

नाबालिका से दुष्कर्म के आरोपी को बालाघाट न्यायालय के विशेष न्यायाधीश गौतमसिंह मरकाम की अदालत ने मरते दम तक जेल में रहने की सजा सुनाई है। 2023 में हुए मामले का फैसला दो साल बाद आज 17 अक्टूबर को आया है।

यह पूरा मामला लांजी थाना क्षेत्र में 28 जून 2023 का है, विशेष लोक अभियोजक आरती कपले ने बताया कि नाबालिका, पड़ोस में रहने वाली अपनी भाभी के यहां गई थी। जहां विजय सोनवाने, टीव्ही सुधारने आया था। यहां से ही वह 12 वर्षीय नाबालिका को अपने साथ बहाने से उसे गांव की नहर की तरफ ले गया और माता मंदिर के बगल वाले कमरे में नाबालिका के साथ उसने जबरदस्ती दुष्कर्म किया और किसी को इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। जिसकी जानकारी पीड़िता ने अपनी दादी को दी। जिसके बाद मामले में दादी ने इसकी रिपोर्ट थाना लांजी में की थी।

जिसमें पुलिस ने आरोपी के खिलाफ घटना में आईपीसीस की धाराओ में अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया था। जिसके बाद आरोपी विजय सोनवाने को, लांजी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भिजवा दिया था। जिसके बाद से आरोपी जेल में था। मामले की संपूर्ण विवेचना उपरांत लांजी पुलिस ने अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया था। जिसकी सुनवाई लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतमसिंह मरकाम की अदालत में चल रही थी। मामले में अभियोजन की ओर से रखे गए तर्को और तथ्यों के आधार पर न्यायाधीश ने आरोपी को दोषी पाते हुए धारा 366 भादंवि. में 5 वर्ष का सश्रम कारावास और 1 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 5एम/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, धारा 376 ए-बी भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास (शेष प्राकृत काल के लिए कारावास) और 5 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किए जाने का फैसला दिया है। मामले में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक आरती कपले ने पैरवी की थी।

तीन साल में पांच सचिव, दो माह में सचिव के स्थानांतरण से पंचायत सरपंच ने जताई नाराजगी, कहा कैसे करू ग्राम के विकास कार्य

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। तीन साल में पंचायत के पांच सचिव बदलने से ना केवल पंचायत सरपंच बल्कि ग्राम की जनता भी नाराज है, दो माह पहले पंचायत में पदस्थ हुए सचिव भादू यादव के स्थानांतरण की खबर से बार-बार पंचायत सचिव बदलने से नाराज, सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर नाराजगी जाहिर की और सचिव के स्थानांतरण को रोके जाने की मांग रखी।

दरअसल, जनपद पंचायत परसवाड़ा के ग्राम पंचायत लीलामेटा में बार-बार सचिव बदले जाने से नाराज पंचायत सरपंच बुधराम टेकाम, अपने साथी पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और पंचायत में दो माह पहले पदस्थ हुए सचिव भादू यादव के स्थानांतरण को रोके जाने की मांग रखी। उन्होने बताया कि मेरे तीन साल के कार्यकाल में यह पांचवा सचिव है, जिसका दो माह बाद ही स्थानांतरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगातार सचिव को पंचायत से स्थानांतरित किए जाने से ग्राम विकास के कार्य प्रभावित हो रहे है। ऐसे सचिव बदले जाएंगे तो उनके ग्राम विकास के पूरे काम ठप्प पड़ जाएंगे। चूंकि ग्राम विकास के कार्य, काफी प्रयास के बाद मिलते है, जिस पर सचिव के बार-बार स्थानांतरण से परेशानियां हो रही है।

सरपंच टेकाम ने प्रशासन से मांग की है कि दो माह पहले पदस्थ हुए सचिव भादू यादव के स्थानांतरण को रद्ध कर किया जाए, ताकि ग्राम विकास के कार्य निर्विघ्न रूप से कराए जा सके। उन्होंने कहा कि बार-बार सचिव बदलने से आने वाले सचिव, पुराने सचिव के कार्यो को नहीं मानते है ऐसे में कैसे वह पंचायत के कार्य को चला पाएंगे। उन्होंने कहा कि सचिव को यथावत रखा जाए। ताकि ग्राम विकास के काम अवरूद्ध ना हो और अनवरत चलते रहे। पंचायतीराज में ग्राम विकास में जितनी भूमिका निर्वाचित जनप्रतिनिधि की है, उतनी ही भूमिका प्रशासनिक कर्मचारी सचिव की भी है।

यात्री प्रतिक्षालय से गिरा सूत्र सेवा बस का चालक गोंदिया अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट के पुराने एसटी परिवहन यात्री प्रतिक्षालय के कमरे से, गिरने से सूत्र सेवा के बस चालक जफर पिता रमजान खान (45) की मौत हो गई। जफर खान भोपाल निवासी है, जो भोपाल से बालाघाट बस लेकर आया था। हालांकि, यह घटना कैसे हुई, यह अभी साफ नहीं है, लेकिन वाहन के परिचालक सचिन राजपूत ने बताया कि उसने जब देखा तो वह कमरे से नीचे गिरा पड़ा था।

जिसकी तेज सास चल रही थी। जिसे अस्पताल ले जाने 108 एम्बुलेंस को फोन किया लेकिन फोन नहीं लगा और 100 नंबर भी फोन करने पर किसी ने फोन नहीं उठाया। जिसके बाद उसने इसकी सूचना डायल 112 को दी। जिसकी मदद से उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसकी हालत को देखते हुए उसे रिफर पर गोंदिया अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। जिसके बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। हालांकि परिजनों के बालाघाट नहीं पहुंचने पर उसका पीएम नहीं हो सका है। पुलिस ने बताया कि देरशाम, मृतक के पहुंचने की संभावना है, जिसके चलते, अब आज 18 अक्टूबर को मृतक का पीएम कराया जाएगा।

सड़क हादसे में महिला ने तोड़ा दम

जबकि दूसरी घटना बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोह पेट्रोल पंप के पास की है। जब दो दुपहिया वाहनो की भिड़ंत में हाल मुकाम दमोह निवासी अनिता पिता महेश धुर्वे (32) की बिरसा अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि अनिता, अपने पति के साथ सालेटेकरी से दमोह घर आ रही थी। जबकि अन्य मोटर सायकिल चालक, दमोह से बहेराभाटा अपने गांव जा रहा था। इस दौरान ही दमोह पेट्रोल पंप के पास वाहनों के बीच भिड़ंत में महिला अनिता की मौत हो गई। जबकि उसके पति महेश और अन्य मोटर साइकिल चालक को मामुली चोटें आई है। बिरसा पुलिस ने घटना के बाद शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

शुभारंभ हुए बीता दो साल, नहीं खुला सीएम राईज स्कूल

जिस स्कूल को सीएम राईज में शुभारंभ किया उसे अब उत्कृष्ट विद्यालय कर दिया, जनपद उपाध्यक्ष ने लगाया आरोप

कहा निजी विद्यालयों को फायदा पहुंचाने नहीं खोला जा रहा सीएम राईज स्कूल

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट में शिक्षा को लेकर जिम्मेदार कितने गंभीर है, इसका ताजा उदाहरण, लांजी में शुभारंभ होने के दो साल बाद भी सीएम राईज स्कूल नहीं खोला जाना है। यही नहीं बल्कि जिस स्कूल का, सीएम राईज स्कूल के नाम के नाम से शुभारंभ किया गया था। लेकिन अब यह स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय के नाम से कर दिया गया। जिस पर जनपद उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति अध्यक्ष अजय अवसरे के साथ पालकों ने गुरूवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

सीएम राईज स्कूल खोलने की मांग को लेकर जनप्रतिनिधि और पालकों ने बताया कि लांजी में सीएम राइज विद्यालय का लोकार्पण, भाजपा विधायक ने किया था, लेकिन दो सालों बाद भी विद्यालय नहीं खुला है। जिसके कारण, क्षेत्र के बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, सीएम राईज स्कूल (सांदीपनी स्कूल) को नहीं खोले जाने पर पालकों ने नाराजगी जाहिर की है और सरकार से मांग की है कि अतिशीघ्र, इसे प्रारंभ करने की दिशा में कदम उठाए जाए।

जनपद उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति अध्यक्ष अजय अवसरे ने बताया कि मुख्यमंत्री राइज योजना के तहत लांजी उत्कृष्ट विद्यालय को अपग्रेड करने की घोषणा और भाजपा विधायक द्वारा शुभारंभ के बावजूद स्कूल आज तक नहीं खुल सका है। विधानसभा मुख्यालय और स्थानीय भाजपा विधायक होने के बाद भी उन्नयन कार्य पूरा नहीं हुआ।

यह शिक्षा के साथ खिलवाड़ है। छात्रों का भविष्य दांव पर है, लेकिन सरकार उदासीन है। यह निजी स्कूलो को फायदा पहुंचाने जैसा है। जनपद सदस्य दिनेश लाडे ने बताया कि लांजी में सीएम राइज विद्यालय का शुभारंभ भाजपा विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा किया जाना एक सराहनीय कदम था, लेकिन दुर्भाग्य से, शुभारंभ के बाद भी विद्यालय चालू न हो पाना चिंताजनक है। हमारी मांग है कि तत्काल जांच कराकर, विद्यालय को शीघ्र चालू किया जाए। जनपद सदस्य महेश चौधरी ने उद्घाटन के बावजूद सीएम राइज स्कूल को नहीं खोले जाने पर बताया कि यह न केवल शिक्षा का अपमान है, बल्कि हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह वनांचल की उपेक्षा है। पालक संघ अध्यक्ष रेखा शुक्ला ने बताया कि बच्चों की शिक्षा ही उनकी एकमात्र उम्मीद है। भाजपा विधायक ने बड़े-बड़ वादे किए थे। शुभारंभ के समय तो धूमधाम से तालियां बजीं, रिबन काटा गया, लेकिन आज भी स्कूल नहीं खुला है। यदि जल्द ही स्कूल चालू नहीं होगा तो अभिभावक सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

संपादकीय

गाजा में कत्लेआम जारी

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप मसखरी करते रहें या विभिन्न देशों के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों के सामने शेखी बघारते रहें अथवा दुनिया में शांति के नाम पर धौंस दिखाते रहें या रूस को ह्यटॉमहॉकह्न विनाशक क्रूज मिसाइलों की धमकी देते रहें, लेकिन फिलिस्तीन के गाजा में शांति फिलहाल अधूरी है। यह तब तक निरर्थक रहेगी, जब तक हमास के आतंकवादी हथियार नहीं डाल देते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां भी शेखी बघारी है कि यदि हमास ने हथियार नहीं छोड़े, तो हम उसे निरस्त्र कर देंगे। शांति-समझौते पर दस्तखत कर हमास ने निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई थी। सह-अस्तित्व शांति की बात स्वीकार की थी। बेशक युद्धविराम हो गया। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। 4 बंधकों के शव भी सौंपे हैं और 20 बंधकों के शव अभी लौटाने हैं। हमास उन लाशों को रख कर क्या करेगा? इजरायल ने भी करीब 2000 फिलिस्तीनी और हमास के कैदी रिहा किए हैं। उनमें करीब 250 कैदी आजीवन कारावास के सजायाफ्ता थे। शांति के 20-सूत्रीय समझौते को पूरी तरह लागू करना चाहिए था, लेकिन 11-13 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने चेहरे पर नकाब पहन कर, आईएसआईएस आतंकियों की तर्ज पर, कुछ लोगों को घुटनों के बल बिठाया और पीछे से गोलियों की बौछार कर दी। हमास इन दो दिनों में 60 से अधिक लोगों की हत्याएं कर चुका है। मृतकों पर जासूसी के आरोप चस्पां किए गए और कत्लेआम कर दिया। हम इसे ह्यनरसंहारह्न करार देते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप और कतर, मिस्र, तुर्किये सरीखे पर्यवेक्षक देशों के शांति-प्रयास बेमानी हैं। जब तक सभी हितधारक देश कानून नहीं बनाते और हमास के स्थान पर अरब एवं अंतरराष्ट्रीय सेना बल का गठन नहीं होता और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के हाथों गाजा और पश्चिमी तट आदि का शासन नहीं दिया जाता, तब तक हमास का आतंकवाद जारी रहेगा। हमास के लिए शांति और स्थिरता के मायने ये हैं कि फिलिस्तीन में उनका वर्चस्व कायम रहे और नागरिक शासन उन्हीं के हाथों में रहे। क्या ट्रंप और अरब देशों ने गाजा में शांति और पुनर्वास का यही मसविदा, समझौता तैयार किया था? क्या गाजा के मौजूदा हालात इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा पर फिर हमले शुरू करने को विवश कर रहे हैं? फिर शांति को पलीता लगा दिया जाएगा? राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राष्ट्र से अभी तक ऐसा प्रस्ताव पारित नहीं करा पाए हैं, जो गाजा में हमास के निरस्त्रीकरण और सुरक्षा की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति सेना का गठन कर सके। फिलिस्तीन सुरक्षा बल का गठन भी विचाराधीन है। गाजा के पुनर्वास और पुनरोत्थान पर जो अरबों डॉलर खर्च किए जाने हैं, वह राशि कहां से आएगी और कौन देगा, यह भी अभी तक अस्पष्ट है। यह भी अभी तक अस्पष्ट है कि उस फिलिस्तीनी कैबिनेट की नियुक्ति और प्रबंधन कौन करेगा, जो अंततः गाजा को चलाएगा? दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की अध्यक्षता वाला शांति-बोर्ड अभी तक क्यों नहीं बन पाया, यह ट्रंप ही जानते हैं। ट्रंप को नेतन्याहू से अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह हमेशा उनके साथ ही रहेंगे अथवा खिलाफ भी जा सकते हैं! क्या नेतन्याहू इजरायली राजनीति के केंद्र में आकर एक ऐसा गठबंधन बना सकते हैं, जो नए फिलिस्तीनी प्राधिकरण के साथ मिल कर हमास की जगह ले सके और हमास को फिलिस्तीन से बाहर फेंका जा सके? क्या इस तरह इजरायल गाजा और पश्चिमी तट पर शासन करने की मंशा पूरी कर सकेगा? या नेतन्याहू वही खेल जारी रखेंगे, जो वह 1996 से अमरीकी राष्ट्रपतियों के साथ खेलते आए हैं? बहरहाल हमास के आतंकियों ने न केवल गाजा में कत्लेआम जारी रखा है, बल्कि वे सशस्त्र कई इलाकों में दिखाई दिए हैं। कहीं ट्रैफिक को नियंत्रित करते, तो कहीं तलाशी लेते हुए उन्हें देखा गया है। विश्लेषक मानते हैं कि हमास यह दिखाना चाहता है कि गाजा पर अब भी उसका शासन और वर्चस्व है। इजरायल का मानना है कि कुछ फिलिस्तीनी कबीले हमास से भिड? की तैयारी में हैं। स्थानीय मिलिशिया समूहों ने ऐलान किए हैं कि हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, मरना पसंद करेंगे। गाजा में ऐसा टकराव बढ़ता रहा, तो वहां ह्यहैती जैसे हालातह्न बन सकते हैं। कमोबेश शांति की बात जमीनी नहीं है।

भगवान धन्वंतरि की महिमा और आयुर्वेद का अमृत पर्व धनतेरस

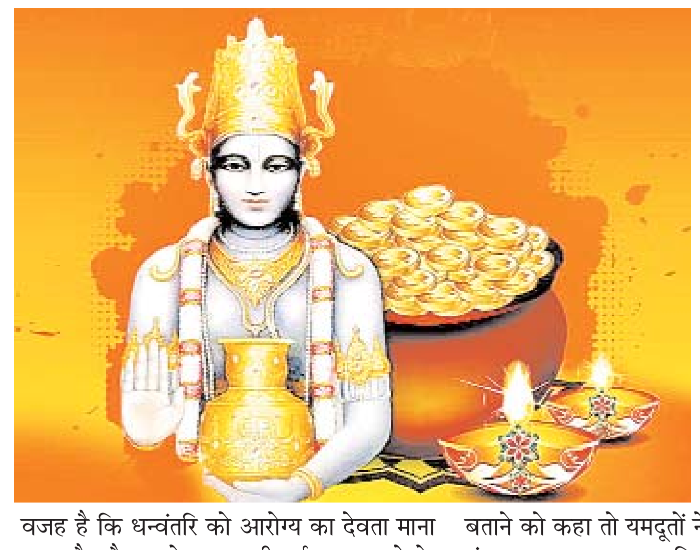

धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। प्रतिवर्ष दीवाली से दो दिन पूर्व धनतेरस पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 18 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। धनतेरस के प्रचलन का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस को चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे। धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को आरोग्य का देवता माना जाता है और आरोग्य तथा दीघार्यु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो यम दीपक कहलाता है। धार्मिक ग्रथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।

यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था।

एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करूण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाडू खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

बिहार की जातिवादी राजनीति : बिहार के विकास की सबसे बड़ी बाधा

लेखकः चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

बिहार, जो कभी ज्ञान और संस्कृति का केंद्र माना जाता था, आज भी जातिवादी राजनीति के जाल में उलझा हुआ है। यहाँ की राजनीति लंबे समय से जातिगत समीकरणों पर आधारित रही है। चुनाव आते ही विकास, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दे गौण हो जाते हैं, जबकि जाति और समुदाय की पहचान चुनावी जीत का प्रमुख आधार बन जाती है। राजनीतिक दलों ने इस प्रवृत्ति को न केवल बनाए रखा, बल्कि इसे अपनी शक्ति का साधन बना लिया है। उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार तक, हर कदम पर जातीय समीकरणों का गणित लगाया जाता है। परिणामस्वरूप, जनता जातीय भावनाओं में विभाजित हो जाती है, और सामूहिक विकास की सोच कमजोर पड़ जाती है। यह जातिवादी राजनीति बिहार की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जब वोट जाति के आधार पर पड़ते हैं, तो नेता जवाबदेही से मुक्त हो जाते हैं। विकास योजनाएँ कागजों तक सीमित रह जाती हैं, रोजगार सृजन की नीतियाँ ठंडे बस्ते में चली जाती हैं, और भ्रष्टाचार तथा अपराध को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त हो जाता है। उदाहरणः बिहार के गया जिले में हाल के वर्षों में देखा गया कि एक प्रमुख सड़क निर्माण परियोजना, जो ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जोड़ने वाली थी, जातीय समीकरणों के कारण रुकी रही। ठेकेदारों और स्थानीय नेताओं के बीच जाति-आधारित पक्षपात के कारण परियोजना में देरी हुई, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसरों का लाभ नहीं मिल सका। यह एक जीता-जागता उदाहरण है कि कैसे जातिवादी मानसिकता विकास कार्यों को प्रभावित करती है। बिहार को प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा। जनता को यह समझना होगा कि जातीय पहचान से ऊपर उठकर केवल योग्य, ईमानदार और विकासोन्मुख नेतृत्व को चुनना ही राज्य की वास्तविक प्रगति का मार्ग है। जब तक राजनीति ह्लजातिह्व के बजाय ह्लयोग्यता और नीतिह्व पर आधारित नहीं होगी, तब तक बिहार अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकेगा। बिहार की राजनीति को जातिवाद की बेड़ियों से मुक्त कर विकास और समानता की दिशा में मोड़ना समय की माँग है। यदि जनता जागरूक होकर मुद्दों पर आधारित राजनीति को अपनाए, तो बिहार पुनः उस गौरवशाली युग की ओर लौट सकता है, जब वह पूरे देश के लिए एक उदाहरण हुआ करता था।

जातिवाद की जड़ें : बिहार में राजनीति की दिशा और दशा पर जातीय समीकरणों का गहरा प्रभाव रहा है। चुनाव आते ही नेता विकास, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों से ध्यान हटाकर जाति-आधारित वोट बैंक की राजनीति करने लगते हैं। गाँव-गाँव और मोहल्ले-मोहल्ले में जातीय पहचान के नाम पर समाज को बाँटा जाता है। परिणामस्वरूप, जनता अपने अधिकारों और विकास की बात करने के बजाय ह्लहमारी जाति का नेता कौन हैह्व की सोच में उलझी रहती है। विकास पर प्रभाव जब राजनीति का आधार योग्यता या नीतियों के बजाय जाति बन जाती है, तो प्रशासनिक पदों से लेकर सरकारी योजनाओं तक में पारदर्शिता और निष्पक्षता समाप्त हो जाती है। जातिवाद के कारण योग्य व्यक्तियों को अवसर नहीं मिलते, और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। विकास की योजनाएँ कागजों तक सीमित रह जाती हैं।

शिक्षा और सामाजिक एकता पर प्रभाव : जातिवादी मानसिकता न केवल राजनीति, बल्कि समाज और शिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करती है। बच्चे भी जाति के चश्मे से समाज को देखने लगते हैं, जिससे सामाजिक एकता कमजोर होती है। यह स्थिति एक नए और प्रगतिशील बिहार के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा बन गई है।

समाधान की दिशा में कदम : बिहार को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए जातिवाद की जंजीरों को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिएः शिक्षा और जागरूकता को प्राथमिकता दी जाए, ताकि लोग मुद्दों पर आधारित मतदान करें। राजनीतिक दलों को विकास, रोजगार और प्रशासनिक सुधार को अपने चुनावी एजेंडे का आधार बनाना चाहिए। युवाओं को जातीय सोच से ऊपर उठकर योग्यता और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी होगी। वही मीडिया और बुद्धिजीवी वर्ग को समाज में सकारात्मक विचारों का प्रसार करना होगा। क्योंकि जातिवाद की विचारधारा ने बिहार को वर्षों पीछे धकेल दिया हे जब तक राजनीति का आधार जातिवाद रहेगा तब तक वह विकास सिर्फ भाषणों में ही रहेगा। अब समय आ गया हे की हम ऐसे नेताओं को चुने जो बिहार के विकास की सोच रखते हो न की सिर्फ जातिवाद की।बाकी सब आप लोगों के हाथमे हे आपका एक निर्णय वो आनेवाले 5 सालों तक की सोच हे यह याद रखके आगे बढ़ना चाहिए और बिहार के विकास को लक्ष्य में रखकर जनता को आगे बढ़ना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि :- स्त्री वर्ग-संतान से क्लेश व अशांति बनेगी, मनोवृत्ति फलप्रद होगी, कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- मानसिक उद्विघ्नता से बचें, स्वास्थ्य नरम रहेगा, विरोधियों से परेशानी होगी सावधानी अवश्य रखें।

मिथुन राशि :- विरोधी परेशान करेंगे, आकस्मिक घटना का शिकार होने से बचें, मानसिक विभ्रम व तनाव अवश्य बनेगा।

कर्क राशि :- अधिकारियों के तनाव से बचिये, दैनिक व्यवसायिक गति उत्तम बनेगी, समय को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें।

सिंह राशि :- मानसिक बेचैनी से बचें, इष्ट मित्रों से धोका होगा, अनायास विभ्रम होगा, क्लेशप्रद स्थिति से बचें।

कन्या राशि :- विभ्रम व मानसिक अशांति रहेगी, धन हानि होगी, असमंजस की स्थिति रहेगी, धैर्य रखकर कार्य करें।

तुला राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, व्यवसायिक प्रयत्न सफल होगा, कार्यगति में निरंतरता बनी रहेगी लाभ अवश्य लें।

वृश्चिक राशि :- अग्नि-चोटादि का भय होगा, सतर्कता से कार्य करने पर लाभ होगा, परिश्रम से कार्य पूर्ण होंगे ध्यान दें।

धनु राशि :- विरोधी तत्व परेशान करेंगे, अनायास बाधा बनेगी, शरीर कष्ट से मानसिक वेदना रहेगी, धैर्य अवश्य रखें।

मकर राशि :- परिश्रम करने पर भी सफलता दिखाई न दे, अनायास विभ्रम से कष्ट होगा, कार्यगति पर ध्यान दें।

कुंभ राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति रहेगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, समय स्थिति से लाभांवित होने का प्रयास करें।

मीन राशि :- सतर्कता से कार्य करें, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, कार्यगति अनुकूल होगी, आलस्य से हानि होगी।

चिकित्सा के देवता माने जाते हैं भगवान धन्वन्तरि

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं। इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या।

धन्वन्तरि को हिन्दू धर्म में देवताओं के वैद्य माना जाता है। ये एक महान चिकित्सक थे जिन्हें देव पद प्राप्त हुआ। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार समझे जाते हैं। इनका पृथ्वी लोक में अवतरण त्रयोदशी के दिन हुआ था। इसीलिये दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वन्तरि का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन इन्होंने आयुर्वेद का भी प्रादुर्भाव किया था। इन्हें भगवान विष्णु का रूप कहते हैं जिनकी चार भुजायें हैं। उपर की दोंनों भुजाओं में शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं मे से एक में औषध तथा दूसरे मे अमृत कलश लिये हुये हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा करनें वाले वैद्य इन्हे आरोग्य का देवता कहते हैं। इन्होंने ही अमृतमय औषधियों की खोज की थी। इनके वंश में दिवोदास हुए जिन्होंने शल्य चिकित्सा का विश्व का पहला विद्यालय काशी में स्थापित किया था। जिसके प्रधानाचार्य सुश्रुत बनाये गए थे। सुश्रुत दिवोदास के ही शिष्य और ऋषि विश्वामित्र के पुत्र थे। उन्होंने ही सुश्रुत संहिता लिखी थी। सुश्रुत विश्व के पहले शल्य चिकित्सक थे। दीपावली के अवसर पर कार्तिक त्रयोदशी-धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं। कहते हैं कि शंकर ने विषपान किया। धन्वंतरि ने अमृत प्रदान किया और इस प्रकार काशी कालजयी नगरी बन गयी। आयुर्वेद के सम्बन्ध में सुश्रुत का मत था कि ब्रह्माजी ने पहली बार एक लाख श्लोक के आयुर्वेद का प्रकाशन किया था। जिसमें एक सहस्त्र अध्याय थे। उनसे प्रजापति ने पढ़ा तदुपरांत उनसे अश्विनी कुमारों ने पढ़ा और उन से इन्द्र ने पढ़ा। इन्द्रदेव से धन्वंतरि ने पढ़ा और उन्हें सुन कर सुश्रुत मुनि ने आयुर्वेद की रचना की। इसके उपरान्त अग्निवेश तथा अन्य शिष्यों के तन्त्रों को संकलित तथा प्रतिसंस्कृत कर चरक द्वारा चरक संहिता के निर्माण का भी आख्यान है। धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं। इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हैं। परन्तु जब यमराज ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया था। लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके। हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन ही भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था। इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरि पीतल का कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं। एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आंगन में यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। महाभारत तथा पुराणों में विष्णु के अंश के रुप में उनका उल्लेख प्राप्त होता है। उनका प्रादुर्भाव समुद्रमंथन के बाद निर्गत कलश से अण्ड के रुप मे हुआ। समुद्र के निकलने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से कहा कि लोक में मेरा स्थान और भाग निश्चित कर दें। इस पर विष्णु ने कहा कि यज्ञ का विभाग तो देवताओं में पहले ही हो चुका है। अतः यह अब संभव नहीं है। देवों के बाद आने के कारण तुम (देव) ईश्वर नहीं हो। अतः तुम्हें अगले जन्म में सिद्धियां प्राप्त होंगी और तुम लोक में प्रसिद्ध होगे। तुम्हें उसी शरीर से देवत्व प्राप्त होगा और द्विजातिगण तुम्हारी सभी तरह से पूजा करेंगे। तुम आयुर्वेद का अष्टांग विभाजन भी करोगे। द्वितीय द्वापर युग में तुम पुनः जन्म लोगे इसमें कोई सन्देह नहीं है। इस वर के अनुसार पुत्रकाम काशीराज धन्व की तपस्या से प्रसन्न हो कर जब भगवान ने उसके पुत्र के रुप में जन्म लिया और धन्वंतरि नाम धारण किया। धन्व काशी नगरी के संस्थापक काश के पुत्र थे। वे सभी रोगों के निवराण में निष्णात थे। उन्होंने भरद्वाज से आयुर्वेद ग्रहण कर उसे अष्टांग में विभक्त कर अपने शिष्यों में बांट दिया। वैदिक काल में जो महत्व और स्थान अश्विनी को प्राप्त था वही पौराणिक काल में धन्वंतरि को प्राप्त हुआ। जहां अश्विनी के हाथ में मधुकलश था वहां धन्वंतरि को अमृत कलश मिला, क्योंकि विष्णु संसार की रक्षा करते हैं। इसीलिये रोगों से रक्षा करने वाले धन्वंतरि को विष्णु का अंश माना गया है।

दीपावली कब है – 20 या 21 अक्टूबर 2025 को?

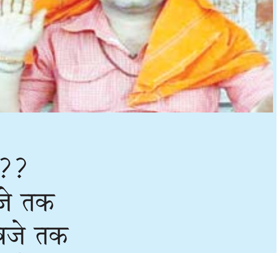

॥ॐ श्री शिवशक्ति नमः तंत्र ज्योतिषम्॥

अमावस्या तिथि सोमवार की दोपहर 2:32 मिनट से प्रारंभ होगी और

21 अक्टूबर (मंगलवार) को शाम 4:26 मिनट तक रहेगी।

इसलिए इस बार दीपावली का महापर्व 20 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मनाया जाएगा।

?? पूजा एवं लक्ष्मी पूजन का श्रेष्ठ शुभ मुहूर्त ??

1. कुंभ लग्न दिन में: 2:09 बजे से 3:40 बजे तक
2. वृषभ लग्न शाम में: 6:52 बजे से 8:48 बजे तक
3. सिंह लग्न मध्यरात्रि: 1:29 बजे से 3:33 बजे तक

ज्योतिषाचार्य: पं. मणिकांत उपाध्याय
स्थानः शिवनगर गढ़ा, जबलपुर (म.प्र.)
मोबाइल: 8770328677

॥ सत्यं शिवं सुंदरम ॥

बिल्कुल नई स्कोडा ऑक्टेविया आरएस: पॉवर, स्टाइल और लिगेसी का नया रूप

पाँच आकर्षक रंगों में उपलब्ध मामबा ग्रीन, कैंडी व्हाइट, रेस ब्लू, मैजिक ब्लैक और वेलवेट रेड

जबलपुर। स्कोडा ऑटो इंडिया देश में अपनी 25वीं वर्षगाँठ और एक सच्चे लीजेंड, बिल्कुल नई ऑक्टेविया आरएस की वापसी का जश्न मना रहा है। फुल्ली बिल्ट यूनिट (एफबीयू) के रूप में सीमित संख्या में उपलब्ध, ऑक्टेविया आरएस बेजोड़ ड्राइविंग डायनामिक्स, बोल्ड डिजाइन और बेजोड़ आरएस स्पिरिट का प्रतीक है, जो भारत में दीवानों और कुछ खास चाहने वालों के लिए एक खास निशानी के रूप में अपनी वापसी कर रही है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, ह्लऑक्टेविया आरएस को कमाल की प्रतिक्रिया मिली है। इस शानदार मॉडल ने पूरे भारत में ड्राइविंग के शौकीनों के जुनून को सचमुच जगा दिया है, और ऑक्टेविया आरएस की दुनिया भर में पहचान को और मजबूत किया है। भारत में स्कोडा ऑटो के 25 उल्लेखनीय वर्षों का जश्न मनाते हुए, विश्वस्तरीय कारें उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। आरएस बैज केवल परफॉर्मेंस तक सीमित नहीं है। यह स्कोडा ब्रांड के साथ हमारे ग्राहकों के भावनात्मक जुड़ाव और विश्वास को दिखाता है। हम स्कोडा परिवार में चाहने वालों की एक नई पीढ़ी का स्वागत करने और इस बाजार में हमारे ब्रांड को पहचान देने वाली मजबूत विरासत और दीवानों की संख्या बढ़ाने को लेकर खुश हैं।

रोमांच से भरा : ऑक्टेविया आरएस की खूबी एक 2.0 टीएसआई टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन है, जो 195 किलोवाट (265 पीएस) की पॉवर और 370 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। 7-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से लैस, यह कार मात्र 6.4 सेकंड में 0-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है, जिसकी अधिकतम स्पीड इलेक्ट्रॉनिक रूप से 250 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित है। इसका एडवांस्ड चेसिस सेटअप, प्रोग्रेसिव स्टीयरिंग और स्पोर्ट्स सस्पेंशन बेहतरीन हैंडलिंग और ड्राइविंग डायनामिक्स देते हैं।

कमाल के पहिए : बिल्कुल नई ऑक्टेविया आरएस में स्कोडा के बोल्ड डिजाइन को बरकरार रखा गया है, जिसे फुल एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, डायनामिक इंडिकेटर्स वाले एलईडी टेल लैंप और चमकदार काले रंग के स्टाइलिंग एलिमेंट्स के जरिए और भी बेहतर बनाया गया है। लो-प्रोफाइल 225/40 आर19 स्पोर्ट्स टायरों के साथ आकर्षक 19-इंच एलियास एन्थ्रेसाइट अलॉय व्हील्स पर सजी यह कार एक बेहद स्पोर्टी और तेज-तर्रार लुक देती है। 4,709 एमएम लंबाई, 1,829 एमएम चौड़ाई और 1,457 एमएम ऊँचाई के साथ, 2,677 एमएम के व्हीलबेस और 600 लीटर (पीछे की सीटों को मोड़कर 1,555 लीटर तक बढ़ाया जा सकता है) की सेगमेंट-स्पेशल बूट क्षमता के साथ, ऑक्टेविया आरएस अपने स्लीक आकार और रोजमर्रा की रूरत के बीच संतुलन बनाता है।

डिंडोरी में खुलेआम बिक रही अवैध शराब

प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा नशे का कारोबार

रेवान्चल टाइम्स - डिंडोरी। आदिवासी बाहुल्य जिला डिंडौरी इन दिनों अबैध माफियाओं की पकड़ में नजर आ रहा और खाखी इन अबैध शराब, सट्टा खाईबाजो भू माफियाओं के आगे नतमस्तक नजर आ रही है, और अपने निजी स्वार्थों के चलते गरीब बेरोजगारों को ये माफिया अपनी रूसुखदारी से खाखी के साथ गठजोड़ कर उन्हें निचोड़ने में कोई कसर नही करते नजर आ रहे है।

वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोरी जिले मां नर्मदा के पावन तट पर बसा डिंडोरी हुआ जहाँ माँ नर्मदा को जीवन्त नदी का दर्जा देते हुए पवित्र पावनी जीवन दायनी का दर्जा तत्कालीन शिवराज सिंह सरकार ने दिया था पर आज उनके आदेशों की धज्जियां डिंडौरी जिले के लाईसेंसी शराब ठेकेदार अपने रसूखदार होने और पैसे की ताकत से गली गली मोहल्ले मोहल्ले पर अपनी ताकत पर खुलेआम बन्द के बाद भी शराब की बिक्री जोरो पर है और ये सब खाखी यानी पुलिस और आबकारी विभाग से अपना गठबंधन कर दिन दुगनी रात चौगनी तरक़्की में जुट गए है और खाखी इन शराब माफियाओं के कारनामे देख कर भी अनदेखी कर रही हैं। वहीं नगर इन दिनों अवैध शराब बिक्री का अड्डा बनता जा रहा है। हैरानी की

बात यह है कि यह पूरा कारोबार प्रशासन और आबकारी विभाग की नाक के नीचे खुलेआम फल-फूल रहा है।

जगह-जगह मिल रही देशी विदेशी अवैध शराब

वही जानकारो की माने तो इन दिनों शहर के भीतर किराना दुकानों, पान ठेलों से लेकर आम नागरिकों के घरों तक में अवैध देसी-विदेशी शराब की बिक्री का गोरखधंधा तेजी से फलफूल रहा है। और सब नियम-कानून को जेब मे रख कर लाइसेंस धारी धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम बोतलें बेची जा रही हैं।

नगर के ढाबे से लेकर हाईवे के ढाबों में चल रहा धंधा

वही अमरकंटक रोड सहित डिंडोरी से लगे प्रमुख राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के ढाबों में भी शराब की अवैध बिक्री जोरों पर है। ढाबों में ग्राहकों को खुलेआम डब्बों में पैक शराब परोसी जा रही है। ये ढाबे न तो किसी प्रकार का बार लाइसेंस रखते हैं, और न ही प्रशासन का कोई नियंत्रण दिखाई देता है।

प्रमुख स्थलों पर खुलेआम कारोबार

शहर के पेट्रोल पंप के आसपास, कलेक्ट्रेट तिराहे के समीप, बस स्टैंड रोड और पुरानी डिंडोरी के इलाकों में शाम ढलते ही शराब बिक्री का गोरखधंधा शुरू हो जाता है। नशे में धुत युवाओं के झगड़े और सड़क पर बढ़ते उत्पात से आम जनता परेशान है, मगर प्रशासन मौन है।

धार्मिक नगरी की गरिमा पर सवाल

वही बात करे डिंडोरी को मां नर्मदा की पवित्र नगरी के रूप में जाना जाता है, जहाँ प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु स्नान और दर्शन हेतु आते हैं। ऐसे पवित्र स्थल पर शराब का खुलेआम बिकना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

जिम्मेदार विभागों की चुप्पी और कार्यवाही पर संदेह

आबकारी विभाग, पुलिस प्रशासन और नगर परिषद – तीनों की भूमिकाएँ सवालों के घेरे में हैं। न तो छापेमारी हो रही है, न ही किसी पर कार्यवाही की खबर। इससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं यह पूरा नेटवर्क कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में तो नहीं चल रहा?

नागरिकों की मांग – सख्त कार्रवाई हो

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिला प्रशासन को तत्काल प्रभाव से अभियान चलाकर इन अवैध ठिकानों पर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, धार्मिक नगर की पवित्रता बनाए रखने हेतु सख्त निगरानी व्यवस्था भी की जानी चाहिए।

व्यापारियों को लाइसेंस में निर्धारित मात्रा के अंदर ही पटाखों का भंडारण करने के निर्देश

कटनी । दीपावली पर्व के दौरान पटाखों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के सम्बन्ध में मानक संचालन प्रक्रिया के पालन के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने निर्देश जारी किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने पटाखा व्यापारियों को पटाखों के निर्माण, विक्रय और प्रस्फोटन आदि के सम्बन्ध में मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी निदेशों और म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी एस.ओ.पी का पालन करने के निर्देश जारी किया है। जिसके अनुसार दीपावली पर्व के दौरान रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रीन पटाखों के अंतर्गत फुलझड़ी, अनार व मेरुन आते हैं। पटाखों का प्रस्फोटन संवेदनशील क्षेत्र जैसे अस्पताल, नर्सिंग होम, हेल्थ केयर सेंटर, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों आदि से 100 मीटर की दूरी तक प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस द्वारा यह सुनिश्चित कराया जाएगा।

प्रतिबंधित पटाखे

पटाखों में बेरियम सॉल्ट आदि विषैले रसायनों का उपयोग प्रतिबंधित है। लड़ी (जुड़े हुए पटाखे) का निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण, प्रस्फोटन भी प्रतिबंधित है। पटाखों की तीव्रता प्रस्फोटन स्थल से 4 मीटर पर 125 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होनी चाहिए। फटाखों की ऑनलाइन सेल प्रतिबंधित है। समस्त पटाखा व्यापारी शासन द्वारा निर्धारित पटाखों (ग्रीन पटाखों) का ही विक्रय करेंगे। लाइसेंस में निर्धारित मात्रा के भीतर ही पटाखों का भंडारण करेंगे। अग्नि से सुरक्षा के लिए रेत की बाल्टी, पानी, फायर एक्सटिंग्विशर सिस्टम आदि पर्याप्त मात्रा में रखेंगे। पटाखा दुकानों के पास कोई भी व्यक्ति बीड़ी, सिगरेट ना पिए उसका बोर्ड लगाएंगे एवं लोगों से इसका पालन भी सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी पटाखा व्यापारियों को शासन एवं म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम एवं तहसीलदारों को जिले की सभी पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों का निरीक्षण कर एस.ओ.पी का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम को अस्थाई पटाखा व्यापारियों की दुकाने, निर्धारित स्थल पर ही लगना सुनिश्चित कराने और फायर ब्रिगेड तैयार रखने सहित सुरक्षा के समुचित इन्तेजाम रखने के निर्देश दिए हैं।

सिवनी लूट कांड में बड़ा खुलासा

एसडीओपी पूजा पांडे सहित सभी आरोपी जेल में, जमानत याचिका खारिज

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी जिले में हुए चर्चित लूट एवं हवाला कांड मामले में एक और बड़ा मोड़ आया है। न्यायालय ने एसडीओपी पूजा पांडे सहित सभी गिरफ्तार पुलिसकर्मियों को जेल भेजने का आदेश दिया है। साथ ही सभी आरोपियों की जमानत याचिका को भी अदालत ने सख्ती से खारिज कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस चर्चित प्रकरण में एसडीओपी पूजा पांडे, एएसआई, हेड कॉन्स्टेबल सहित कुल 10 पुलिसकर्मी आरोपित हैं, जिन्हें पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार किया था। इन पर हवाला रकम की लूट, साक्ष्य छिपाने और पद का दुरुपयोग करने जैसे गंभीर आरोप हैं। जांच के दौरान कई ठोस सबूत सामने आने के बाद न्यायालय ने किसी भी आरोपी को राहत न देते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में भेजने का निर्देश दिया। वर्तमान में सभी आरोपी जेल में हैं और मामले की अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है, वहीं आम नागरिकों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि कानून के सामने कोई भी व्यक्ति – चाहे वह वदीधारी ही क्यों न हो – विशेषाधिकार नहीं पा सकता।

राम पथ गमन के पावन पड़ाव: पन्ना जिले में भगवान श्रीराम के चरणचिह्नों की गवाही देते हैं सिद्ध स्थल

संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी

दैनिक रेवांचल टाइम्स पन्ना। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से पन्ना जिला भगवान श्रीराम के राम पथ गमन मार्ग का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। द्वापर युग में भगवान श्रीराम चित्रकूट में अत्रिमुनि का आशीर्वाद प्राप्त करने के पश्चात जब दक्षिण दिशा की ओर प्रस्थान कर रहे थे, तब वे पन्ना जिले के सारंग ग्राम में पहुंचे, जहाँ उनका आशीर्वाद सुतीक्षण मुनि से प्राप्त किया। इसके उपरांत भगवान श्रीराम ने आगे बढ़ते हुए सलेहा और पटना के समीप पहाड़ो में स्थित सिद्धनाथ क्षेत्र में अगस्त मुनि के आश्रम में विश्राम किया प्रस्थान के पूर्व आशीर्वाद लिया, यह पूरा क्षेत्र राम पथ गमन मार्ग का एक प्रमुख हिस्सा माना जाता है।

प्राचीन मंदिर और साधना स्थली के रूप में प्रसिद्ध– इस पवित्र भूमि पर आज भी अनेक प्राचीन कालीन एवं प्रतिहार कालीन शिव मंदिर विद्यमान हैं। साथ ही, ऋषि–मुनियों की तपोभूमि के रूप में स्थापित अनेक छोटे–छोटे साधना स्थल भी देखने को मिलते हैं। इन पवित्र स्थलों की आध्यात्मिक आभा भक्तों को आज भी उस युग की दिव्यता का अनुभव कराती है।

देश–विदेश से आते हैं श्रद्धालु

इन पावन स्थलों की दिव्यता और ऐतिहासिकता के कारण देश–विदेश से भक्तजन यहाँ दर्शन एवं पूजन के लिए आते रहते हैं। भगवान श्रीराम से जुड़े इन स्थलों में प्रमुख रूप से बृहस्पति कुंड, सारंग और सिद्धनाथ जैसे स्थल धार्मिक पर्यटन के केंद्र बनते जा रहे हैं।

सरकार दे रही है विकास पर ध्यान

वर्तमान में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राम पथ गमन से जुड़े पवित्र स्थलों के संवर्धन, संरक्षण एवं पर्यटन विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उद्देश्य है कि इन दिव्य स्थलों की महिमा आने वाली पीढ़ियाँ भी जान सकें और यहाँ का धार्मिक पर्यटन और अधिक समृद्ध हो सके।

बाल संस्थाओं के बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री का लगाया गया स्टॉल

कटनी । 'मिशन वात्सल्य' के तहत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कटनी परिसर में बच्चों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों का एक विशेष स्टॉल लगाया गया। स्टॉल में बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों द्वारा दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में सुन्दर दिये, ग्लास कैंडल, रंग बिरंगे तोरण, वॉल हैंगिंग, झालर एवं अन्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा स्टॉल का अवलोकन कर बच्चों द्वारा निर्मित सुन्दर दिये, कैंडल, झालर आदि की प्रसंशा की गई। उन्होंने दिये, कैंडल आदि का क्रय कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

वरिष्ठ अधिवक्ता शिशुपाल यादव ने दिलाया न्याय –न्यायालय ने दिया 1 करोड़ 3 लाख 70 हजार का ऐतिहासिक मुआवजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। न्याय की राह पर एक बड़ी मिसाल कायम करते हुए मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण, वारासिवनी ने क्लेम प्रकरण क्रमांक 2019/2022 (मोनिका विरुद्ध रामप्रसाद एवं अन्य) में आवेदक पक्ष के हक में 1,03,70,000 (एक करोड़ तीन लाख सत्तर हजार रुपये) का क्षतिपूर्ति अवार्ड पारित किया है। यह निर्णय 16 अक्टूबर 2025 को सुनाया गया और इसे अब तक का वारासिवनी न्यायालय का सबसे बड़ा मुआवजा अवार्ड बताया जा रहा है। इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी सिवनी के वरिष्ठ अधिवक्ता शिशुपाल यादव, सहायक अधिवक्ता सुरेंद्र वाघाडे एवं राज ठाकुर ने की। अधिवक्ता दल ने सुप्रीम कोर्ट

के कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हवाला देते हुए प्रभावी पैरवी की, जिसके आधार पर न्यायालय ने यह ऐतिहासिक आदेश पारित किया। निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता शिशुपाल यादव ने कहा – मृतक की कमी तो पूरी नहीं की जा सकती, परंतु यह निर्णय निश्चित रूप से परिवार के सामाजिक और आर्थिक स्तर का सुदृढ़ करेगा। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह फैसला न्यायिक संवेदनशीलता और कानूनी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसे क्षेत्र में एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य में होने वाले मुआवजा प्रकरणों के लिए दिशा-निर्देशक मिसाल बनेगा ।

समाजसेवा के दीप जलाए

राहत समर्पण सेवा समिति ने गरीब बच्चों के बीच मनाया गया जन्मदिन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। दीपावली के पूर्व राहत समर्पण सेवा समिति द्वारा समाजसेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया। समिति के अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू ने अपने जन्मदिन को सेवा और वृक्षारोपण के संकल्प दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के तहत बृक्षारोपड से हुई जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात समिति के सदस्य बच्चन नायक के नेतृत्व में टीम ने वृद्धाश्रम पहुँचकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। फिर आसरा बाल गृह में बच्चों द्वारा बनाई गई दीपावली सजावट, झालर और हस्तनिर्मित लाइट्स देखकर अतिथियों ने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। बच्चों को मिठाई और उपहार वितरित कर सभी ने दीपावली की शुभकामनाएँ दीं।इसके बाद किलकारी बाल शिशु गृह और दद्दा धाम (कटनी) में पहुँचकर छोटे बच्चों के साथ समय बिताया गया। दिन का समापन दिव्यांग छात्रावास में हुआ, जहाँ बच्चों ने गीतों और संगीत से अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित बीएमओ डॉ. विनोद कुमार ने अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया और बच्चों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। उन्होंने कहा ऐसे कार्य दीपावली की सच्ची भावना को जीवंत करते हैं। जब जन्मदिन सेवा और प्रेम से मनाया जाए तो वह उत्सव नहीं प्रेरणा बन जाता है।इस अवसर पर समिति के सदस्य छवि ताम्रकार, चंद्रभान पाल, साध्वी निगम, कार्तिक तिवारी, शोभित तिवारी सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे।अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू ने कहा समाजसेवा ही सच्ची पूजा है। हम चाहते हैं कि हर व्यक्ति अपने जन्मदिन या विशेष अवसर पर एक पौधा लगाए किसी जरूरतमंद की मदद करे या किसी के चेहरे पर मुस्कान लाए यही सच्ची दीपावली है।ऐसे प्रेरणादायी आयोजन समाज में नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

दीपावली से पहले अमरैयापार क्षेत्र हुआ रौशन, यात्रियों ने जताया आभार

अंधेरे से उजाले की ओर: कैमोर नगर परिषद अध्यक्ष ने बस स्टैंड पर लगवाई नई हाईमास्ट लाइट

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। दीपावली पर्व से पहले कैमोर नगर परिषद ने नगरवासियों को एक बड़ी सौगात दी है। नगर परिषद अध्यक्ष पलक नमीत ग्रोवर के निर्देशन में अमरैयापार बस स्टैंड पर वर्षों से बंद पड़ी हाईमास्ट लाइट को बदलकर नई लाइट लगाई गई। नगर परिषद के तकनीकी दल ने सुबह से ही बस स्टैंड परिसर में पहुंचकर पुराने उपकरणों को हटाया और नई एलईडी हाईमास्ट लाइट स्थापित की।

अब यह पूरा क्षेत्र रात्रि के समय पूरी तरह प्रकाशमय रहेगा, जिससे यात्रियों और राहगीरों को राहत मिलेगी। नगर परिषद अध्यक्ष पलक

नमीत ग्रोवर ने बताया कि दीपावली जैसे पर्व पर नगर के प्रमुख स्थानों को प्रकाशमय बनाना परिषद की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा नगर के हर कोने तक उजाला पहुंचे, यही हमारी कोशिश है। यह कार्य सिर्फ सुविधा नहीं बल्कि सुरक्षा से भी जुड़ा है। स्थानीय नागरिकों वार्ड पार्षद और यात्रियों ने नगर परिषद के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि लंबे समय बाद बस स्टैंड क्षेत्र में फिर से रौशनी लौटी है।नगर परिषद टीम द्वारा अन्य वार्डों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लाइट मरम्मत और सफाई कार्य किए जा रहे हैं, ताकि दीपावली का त्यौहार पूरे नगर में उजाले और स्वच्छता के संदेश के साथ मनाया जा सके।

केवलारी विधानसभा में प्रेक्षक का निरीक्षण, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और लापरवाही पर नोटिस जारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – सिवनी मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा नियुक्त प्रेक्षक राजेश कोल ने आज केवलारी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों और दावा–आपत्री केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केलोपा, खैरापलारी, मलारी, मुनगापार, बोथिया, बिछुआ रैयत, संदीपनी विद्यालय केवलारी और कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केवलारी का दौरा कर पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्य का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने खैरा के सचिव कृष्ण कुमार चक्रवर्ती को निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को पुनरीक्षण संबंधी कार्यों में पूर्ण गंभीरता, पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित करने की हिदायत दी। प्रेक्षक ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि या अनियमितता न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम महेश अग्रवाल सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक रेवांचल टाइम्स — निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें

संवाददाता भी नियुक्त करना है

प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320

प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
* कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
* चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
* तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
* चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
* सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
* काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
* एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
* चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

पटना में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा

दुनिया में भारत के मान-सम्मान के लिए बिहार में एनडीए सरकार जरूरी

भोपाल। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए के पक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। गुरुवार को वे पटना पहुंचे और यहां की कुम्हरार व विक्रम विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं कीं। सीएम ने कहा कि दुनिया में भारत के मान-सम्मान के लिए बिहार में एनडीए की सरकार जरूरी है। एनडीए की सरकार ने बिहार को गुडांराज से उबारते हुए विकास का मॉडल बनाया है।डॉ. मोहन यादव कुम्हरार से एनडीए प्रत्याशी संजय गुप्ता और विक्रम विधानसभा से प्रत्याशी सिद्धार्थ सौरभ का नामांकन भी जमा कराया। इसके बाद कुम्हरार विस के कदमकुआं एवं विक्रम विस के पार्वती विद्यालय मैदान में जनसभाओं को संबोधित किया।

डॉ. यादव ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है, सेनाएं तैयार हैं। सारी दुनिया में जो ट्रेंड चल रहा है, उसे देखते हुए भारत के मान-सम्मान के साथ आगे बढ़ाने और विकास की इबारत लिखने के लिए एनडीए की सरकार जरूरी है। भाजपा सबका साथ-सबका विकास सिर्फ बोलती नहीं है, कर-के दिखाती है।

कांग्रेस के कुशासन के कारण लोगों ने लालटेन के हाथ बिहार दे दिया

2004-05 से पहले बिहार में डकैतों का बोलबाला था। जंगलराज में आम जनता की हालत खराब थी। इसके लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार है, क्योंकि कांग्रेस के कुशासन के कारण लोगों ने लालटेन के हाथ में बिहार दे दिया। एक परिवार के हाथों में पूरी सत्ता केंद्रित हो गई और बिहार के विकास की गति रुक गई। कांग्रेस के लायसेंस, कोटा, परमिट वाली व्यवस्था ने बिहार और देश को बबार्दी की राह पर धकेला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 लाख करोड़ से अधिक की राशि बिहार को अब तक विकास के लिए दी है। आज का पटना बिल्कुल अलग है, बिहार के लोगों में क्षमता और योग्यता की कमी कभी नहीं रही।

2 से 11 नवंबर तक कांग्रेस जिलाध्यक्षों का प्रशिक्षण

राहुल गांधी, खरगे सहित कई दिग्गज पचमढ़ी आएंगे, PCC ने भेजी गाइडलाइन

भोपाल। पचमढ़ी में अगले महीने एमपी के कांग्रेस जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग होगी। होटल हाईलैंड में 2 नवंबर से 11 नवंबर तक चलने वाले इस ट्रेनिंग कैम्प में सभी 71 जिला अध्यक्ष दस दिनों तक पचमढ़ी में ही रहेंगे। जिलाध्यक्षों को पार्टी की ओर से इस ट्रेनिंग में शामिल होने के लिए पत्र और दिशानिर्देश जारी कर दिए गए हैं।

राहुल, खरगे समेत कई दिग्गज आएंगे : इस ट्रेनिंग कैम्प में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा, शशिकांत सेंथिल, सहित तमाम दिग्गज नेता और एक्सपर्ट शामिल होंगे। बिहार चुनाव के चलते राहुल गांधी के आने की तारीख तय नहीं हुई है। एमपी कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी को दो दिन शामिल रहने का प्रस्ताव भेजा गया है।

गनमैन, ड्राइवर, पीए को ट्रेनिंग कैम्प में एंट्री नहीं : पचमढ़ी के ट्रेनिंग कैम्प में जिला अध्यक्षों के अलावा उनके सहयोगी, ड्राइवर, पीए, गनमैन को एंट्री नहीं मिलेगी। जिलाध्यक्षों को पीसीसी की ओर से भेजे गए पत्र में इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। जिलाध्यक्षों को भेजे गए पत्र में लिखा है कि आपको समय से पहले इसलिए सूचना दे रहे हैं ताकि आप हर दृष्टि से तैयारी कर लें। 2 नवंबर को सुबह 10 बजे तक हर हाल में प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

ट्रेनिंग कैम्प के लिए जिलाध्यक्षों को ये हैं निर्देश :

ठंड के हिसाब से तैयारी करके आएं : जिलाध्यक्षों को पार्टी की ओर से भेजे गए पत्र में ये सलाह दी गई है कि पचमढ़ी एक ठंडा स्थान है और नवंबर महीने की शुरूआत में यहां बहुत ठंड होगी। सुबह और रात के समय तापमान बहुत नीचे जा सकता है। ये दस दिन का आवासीय शिविर है। इसलिए आपको ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े स्वेटर, थर्मल, टोपी, मफलर, शॉल लेकर आना जरूरी है।

निजी जरूरत का सामान भी लेकर आएं : पार्टी की ओर से यह सलाह दी गई है कि यदि आपका कोई ट्रीटमेंट चल रहा है या किसी मर्ज की दवा नियमित रुप से लेते हैं तो डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन और दस दिन के हिसाब से दवाएं साथ लेकर आएं। प्रशिक्षण शिविर के दौरान कसरत और चलने फिरने के लिए आरामदायक और मजबूत जूते साथ लेकर आएं। अपने सामान की पहचान के लिए बैग, सूटकेस पर अपना नाम पता और मोबाइल नंबर जरूर लिखें।

अध्यक्षों से खुद चर्चा करेंगे राहुल गांधी : ट्रेनिंग के दौरान राहुल गांधी जिला अध्यक्षों को न केवल संबोधित करेंगे, बल्कि, जिला अध्यक्षों से वन टू वन बातचीत भी करेंगे। जिला अध्यक्षों से उनके जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री आज राजगढ़ एवं सीहोर जिले के कार्यक्रमों में होंगे शामिल

ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के खातों में 277 करोड़ की राहत राशि का होगा अंतरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 अक्टूबर को राजगढ़ एवं सीहोर जिले के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रुपए की राहत राशि का अंतरण करेंगे एवं 33 करोड़ रुपए की लागत की ब्यावरा में नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री 193 करोड़ रुपए लागत के 41 विकास कार्यों का भी भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के बिलकिसगंज में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिले के 02 लाख से अधिक किसानों को फसल क्षति की 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम किसानों के खाते में अंतरण करेंगे।

अब 24 अक्टूबर तक नाम जुड़वा सकेंगे वोटर

पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के लिए तैयार की जा रही वोटर लिस्ट

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए एक हफ्ते का समय और बढ़ा दिया है। अब 24 अक्टूबर तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और काटने की कार्यवाही की जा सकेगी। इसके बाद 21 नवंबर को पंचायतों और नगरीय निकायों के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायतों के लिए मतदाता सूची तैयार करने का काम इस समय जिलों में चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने आज खत्म हो रही वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने और कटवाने की तारीख में बदलाव कर दिया है। सचिव दीपक सिंह ने सभी जिलों के कलेक्टरों को दिए निर्देश में कहा है कि नगर पालिकाओं और पंचायतों में मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया 8 से 17 अक्टूबर तक चलाई जा रही है। इसकी समय सीमा अब 24 अक्टूबर कर दी गई है। इसके अंतर्गत दावा आपत्ति लेने की प्रक्रिया होगी, जिसमें मतदाताओं को नाम जोड़ने और काटने के लिए आवेदन बीएलओ लेंगे।

ऐसे चलेगी मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया

24 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे तक आवेदन लिए जाएंगे।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी यानी तहसीलदार 4 नवंबर 2025 तक इसका निराकरण करेंगे।

ईआरएमएस में एंट्री 10 नवंबर तक की जाएगी।

चेकलिस्ट तैयार करने का काम 13 नवंबर तक होगा।

चेकलिस्ट की जांच कर गलती सुधारने के बाद वेंडर को लौटाने का काम 17 नवंबर तक किया जाएगा।

फोटोयुक्त और फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करने का काम 18 नवंबर को किया जाएगा।

20 नवंबर को फोटोयुक्त मतदाता सूची को प्रिंट कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराया जाएगा।

21 नवंबर को फोटो युक्त मतदाता सूची का प्रकाशन नगर पालिका के वार्ड तथा अन्य चिन्हित स्थानों पर किया जाएगा।

छिंदवाड़ा रजोला गांव में डायरिया संक्रमण पर नियंत्रण

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विकासखंड के ग्राम रजोला में फैले डायरिया संक्रमण पर अब नियंत्रण की स्थिति बन गई है। गुरुवार को गांव में उल्टी-दस्त के किसी नए मामले की जानकारी नहीं मिली। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार गांव में सर्वे कर हालात पर नजर बनाए हुए है। कुछ दिन पहले दूषित पानी पीने के कारण गांव में कई लोग डायरिया की चपेट में आ गए थे। स्थिति गंभीर होने पर स्वास्थ्य विभाग ने गांव में अस्थाई अस्पताल बनाकर इलाज शुरू किया। अब तक अधिकांश मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। एसडीएम अमरवाड़ा, बीएमओ डॉ. करुष ठाकुर और पीएचई विभाग की टीम लगातार तीन दिनों से गांव में मौजूद हैं। प्रशासन ने दूषित पानी के सभी स्त्रोतों को बंद कर दिया है और नई पानी टंकी के जरिए बोरवेल से स्वच्छ पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई है। गांव में बीमारी फैलने की सूचना पर भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव और अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह भी पहुंचे और स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लिया। बीएमओ डॉ. करुष ठाकुर ने बताया कि किसी नए मरीज की सूचना नहीं मिली है। सिंगोड़ी अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को डिस्चार्ज कर दिया गया है और जिला अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की हालत में सुधार है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब भी घर-घर जाकर लोगों को स्वच्छ पानी और सुरक्षित भोजन के इस्तेमाल की सलाह दे रही हैं।

पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति पर बड़ी बैठक

मुख्य सचिव ने 23 अक्टूबर तक मांगी रिपोर्ट,28 को हाईकोर्ट में पेश करेंगे जबाव

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर सरकार ने तेजी दिखाई है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि एससी, एसटी और अन्य वर्गों की पदोन्नति की स्थिति स्पष्ट करने वाली रिपोर्ट 23 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। इन रिपोर्टों के आधार पर एक संयुक्त रिपोर्ट (एकजाई रिपोर्ट) तैयार की जाएगी, जिसे 28 अक्टूबर को हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

रिपोर्ट में बताएं-किस वर्ग को कितना आरक्षण मिला : मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि रिपोर्ट में यह साफ किया जाए कि अब तक किस वर्ग को कितना आरक्षण मिला है और कितना शेष है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई हाईकोर्ट के गुरुवार के निर्देशों के तहत की जा रही है। कोर्ट ने कहा था कि जब तक विभागवार ऑडिट रिपोर्ट नहीं मिल जाती, तब तक डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की अनुमति नहीं दी जा सकती।

नए पदोन्नति नियमों के अनुरुप हो रिपोर्ट : बैठक में यह भी बताया गया कि 17 जून 2025 को जारी नए पदोन्नति नियमों और प्रावधानों को सभी विभागों को ध्यानपूर्वक पढ़ने और उसके अनुरूप रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी संख्यात्मक स्थिति स्पष्ट करे ताकि यह पता चल सके कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों का प्रतिनिधित्व किस स्तर पर है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश के 55 विभागों में से 30 विभागों की ऑडिट रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जबकि बाकी विभागों की रिपोर्ट प्रक्रिया में है। सरकार अब चाहती है कि तय समयसीमा में सभी विभाग रिपोर्ट सौंपें, ताकि हाईकोर्ट में ठोस स्थिति पेश की जा सके और लंबे समय से अटकी पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

जीएडी ने कहा था जल्द सूची जारी करें : बताया जाता है कि पदोन्नति के नए नियम जारी होने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से जल्दी से जल्दी पदोन्नति करने और सूची जारी करने के लिए कहा था, लेकिन इस बीच हाईकोर्ट ने पदोन्नति रोक दी थी। इसलिए कई विभागों ने पदोन्नति सूची तैयार कर रखी है जबकि कुछ विभागों ने इसका काम ही शुरू नहीं किया है। अब सीएस जैन और जीएडी के अफसर अगले दस दिन में इसकी आडिट रिपोर्ट देने के लिए कहेंगे तथा पदोन्नति सूची सीलबंद लिफाफे में तैयार करने के लिए निर्देश देंगे। ताकि हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद पदोन्नति सूची जारी की जा सके। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पदोन्नति पर रोक हटाने से इनकार करते हुए यह कहा है कि सरकार चाहे तो पदोन्नति के नियमों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर सीलबंद कर रखे, लेकिन आदेश जारी नहीं किए जा सकेंगे।

साड़ी गोदाम चोरी का खुलासा

बोथरा फैशन हाउस के कर्मचारी ही निकले चोर, 1 लाख 10 हजार की साड़ियां चुराईं

बैतूल। बैतूल पुलिस ने दिवाली से पहले हुई साड़ी गोदाम चोरी का खुलासा किया है। इस मामले में बोथरा फैशन हाउस के दो कर्मचारियों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। फरियादी विवेक बोथरा (40), निवासी गोठी कॉलोनी, बैतूल ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनकी कोठीबाजार स्थित राम मंदिर के सामने "बोथरा फैशन हाउस" नाम से कपड़ों की दुकान है। उन्होंने आगामी दीपावली पर्व के लिए नागपुर से साड़ियों का नया स्टॉक मंगवाया था, जिसे दुकान के सामने स्थित अपने गोदाम में रखा था।

दुकान से 1 लाख 10 हजार की साड़ियां चुराईं

14 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 2 से 3 बजे के बीच दुकान के कर्मचारी महादेव अतुलकर और गुफरान खान ने बारदाना खरीदने वाले व्यक्ति रवि सुरे के साथ मिलकर गोदाम से साड़ियों के पार्सल चुरा लिए। तीनों ने चोरी की गई साड़ियों को बारदानों के साथ रवि की गाड़ी में रखकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की गई साड़ियों की अनुमानित कीमत 1 लाख 10 हजार रुपये है। दुकान के अन्य कर्मचारी राजा देशमुख, खुवराज कापसे और रोहित बचले इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद थाना कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 996/2025, धारा 303(2), 306, 3(5) भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत प्रकरण दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई एसडीओपी बैतूल आर.डी. शर्मा के मार्गदर्शन में की गई।

आरोपी गिरफ्तार : पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने जिले में दीपावली पर्व के मद्देनजर व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के पालन में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों महादेव अतुलकर, गुफरान खान और रवि सुरे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में सउनि. के.के. बाथरे और थाना कोतवाली पुलिस टीम शामिल रही।

मप्र में दुग्ध उत्पादन से दोगुनी होगी पशुपालक किसानों की आय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में चलाया गया दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान : गोवर्धन पर्व सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप मनाया जाएगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गो-माता और गो-पालन का हमारी सनातन संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। जो गो-पालन करता है वह गोपाल है और जहां गो-पालन होता है वह घर गोकुल है। गो-संरक्षण एवं संवर्धन सरकार की उच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार समाज के सहयोग से निरंतर कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालक किसानों की आय को दोगुना किया जाएगा। मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गो-वंश से समृद्ध राज्य है। देश के दुग्ध उत्पादन का लगभग 9प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है। हमारी सरकार का लक्ष्य है इसे 20 प्रतिशत तक ले जाना। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि? संपर्क चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पशु चिकित्सक घर-घर जाकर पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न आधुनिक तरीकों, पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पशु पोषण आदि के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गो-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया।

हर जिले में मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 21 अक्टूबर को गोवर्धन पर्व लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाए। आयोजन में गौशालाओं तथा पशुपालकों को विशेष रूप से सहभागी बनाया जाए। साथ ही गोवर्धन पर्व पर पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां दर्ज करने और नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा। प्रदेश की गौ-शालाओं में गोवर्धन पर्व का सामुदायिक आयोजन होगा। गोवर्धन पर्व का मुख्य आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में किया जाएगा, जिसमें गोवर्धन पूजन, परिक्रमा, अन्नकूट भोग मुख्य होगा। इस अवसर पर पशुचारक समुदायों की कला, बरेदी और ठाट्या नृत्य आदि का प्रस्तुतीकरण होगा। कार्यक्रम में जैविक उत्पादक, दुग्ध उत्पाद, गोबर आधारित शिल्प के स्टॉल लगाए जाएंगे, साथ ही पशुपालन, कृषि, सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार के लिए भी गतिविधियों का संचालन होगा। गोवर्धन पर्व पर सभी जिलों में गतिविधियां संचालित की जाएंगी। आंगनवाड़ी केंद्रों में पंचगव्य उत्पाद जैसे घी, दूध, पनीर और दही से बनी सामग्री का वितरण किया जाएगा।

प्रदेश में चलाया गया दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत गांव गांव में घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गभार्धान, पशुओं के टीकाकरण, उनकी स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी दी गई। पशुपालकों को उपलब्ध संसाधनों में कम खर्च पर अधिक दूध उत्पादन करने और ज्यादा लाभ कमाने के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत विभाग के अधिकारीझकर्मचारियों द्वारा 10 या अधिक गौवंशझभैंस वंश पालने वाले पशुपालकों से संवाद करने के लक्ष्य अनुसार समस्त जिलों में तीन लाख 70 हजार से अधिक पशुपालकों से उनके घर पहुंचकर भेंट की और उन्हें पशुपालन के संबंध में जानकारी दी, साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया। अभियान के दौरान मुख्य फोकस पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने पर रहा. अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त, जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर पशुपालकों से भेंट की गई और उन्हें दूध उत्पादन और पशुपालन से ज्यादा लाभ उठाने के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई एवं पशुपालकों के अनुभव भी साझा किए गए।

कलेक्टर ने किया विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण

विद्यार्थियों से कलेक्टर ने की चर्चा, पूछे प्रश्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम बीतली, सगरी, करेली, शाहपुर, आमगांव बड़ा और सिंहपुर ग्रामों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केन्द्र, माध्यमिक शाला, शासकीय उचित मूल्य दुकान, सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कृषि साख सहकारी समिति और गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। प्रधान पाठक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

छात्र- छात्राओं से की चर्चा

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बीतली में शासकीय प्राथमिक शाला और शासकीय माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया। उन्होंने शालाओं में शिक्षा के स्तर में सुधार करने और छात्र- छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने को कहा। रोजाना मैन्यू के आधार पर भोजन वितरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इस दौरान शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने छात्र- छात्राओं से विज्ञान और गणित विषय के सामान्य प्रश्न भी पूछे, जिसका छात्र- छात्राओं के द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। कक्षा के पाठ्यक्रम को निर्धारित समयानुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बीतली और सगरी में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को समय पर पोषणयुक्त भोजन व नाश्ता प्रदान करने और निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र अंतर्गत दर्ज गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने माध्यमिक शाला बीतली के प्रधान पाठक को शैक्षणिक कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्र बीतली में लापरवाही बरतने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका तथा विवेकानंद स्वसहायता समूह को भी नोटिस जारी करने को कहा है।

राशन दुकानों का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित करेली, करपगांव व सिंहपुर और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने भावांतर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन कराने और इसका व्यापक प्रचार- प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने भावांतर योजना अंतर्गत केन्द्रों में किसानों के पंजीयन के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उचित मूल्य की दुकान करेली, करपगांव, शाहपुर और सिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपभोक्ताओं को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के निरीक्षण के दौरान स्टॉक एवं स्टॉक पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न का रखरखाव एवं वितरण उचित तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान खाद्यान्न उपभोक्ताओं से खाद्यान्न वितरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ता उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न का उठाव निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

अनुपस्थिति पर नोटिस जारी करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर और आमगांव बड़ा का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में ओपीडी, स्टोर रूम, औषधी भंडार कक्ष, डिलेवरी कक्ष, दवा वितरण केन्द्र आदि का अवलोकन किया। स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों का नियमित रूप से जांच परीक्षण एवं उपचार करने के निर्देश दिए। मरीजों के लिए नियमित रूप से दवाईयां उपलब्ध रखने को कहा, जिससे स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को परेशानी न हो। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इस दौरान स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचे मरीजों से भी चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों के स्टाफ को नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में अनुपस्थित रहने वाले स्टाफ को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इसी प्रकार से गौशाला शाहपुर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में पशुओं को नियमित रूप से चारा- भूसा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गौशाला की नियमित रूप से साफ- सफाई व सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

वाहन ऋण ना चुकाने पर भेजा जेल

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय न्यायालय पंचम अपर जिला एवं सत्रन्याधीश वैभव सक्सेना के द्वारा गौरीशंकर मेहरा का गिरफ्तारी वारंट जारी कर गौरीशंकर मेहरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का आदेश जारी किया गया। जिसमें न्यायालय ने लोन की राशि का भुगतान नहीं करने पर गौरीशंकर मेहरा को एक माह के साधारण सिविल कारावास से दंडित कर जेल भेजा। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर अतुल कुमार नेमा व कलेक्शन मैनेजर दीपक गुहेरिया के द्वारा बताया गया कि ऋण ना चुकाने पर उक्त सजा सुनाई गई। वाहन फाइनेंस की राशि रुपए 321000 की अदायगी नहीं की गई जिसके पश्चात श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय में वसूली वाद प्रकरण पेश किया गया था समन एवं कुर्की वारंट के नोटिस जारी किए जाने के पश्चात भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। परिवादी की ओर से पैरवी अधिवक्ता राजकुमार प्रजापति व कंपनी के अधिवक्ता रितेश मोरे ने की।

आपदा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में वरिष्ठ कार्यालय एवं संस्था प्राचार्य जी एस पटेल के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन टीम द्वारा जनजागृति अभियान अंतर्गत 01 प्लाटून कमांडर बीरेंद्र सूर्यवंशी 02 हवलदार अनुदेशक सुंदर उइकार होमगार्ड एवं संकट मोचन बल मुंबई की टीम एवं एसडीआरएफ द्वारा छात्र - छात्राओं प्राकृतिक एवं मानव निर्मित दुर्घटनाओं से बचाव का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, हड्डी टूट जाना, सांप के द्वारा काट लिए जाने पर और अन्य खतरों से बचाव का न केवल प्रदर्शन किया गया अपितु छात्र छात्राओं से उक्त बचाव कार्य करवाकर उन्हे इन दुर्घटनाओं से निपटने का प्रशिक्षण प्रदान किया। दल द्वारा सिखाई गयी बचाब तकनीकों को छात्र-छात्राओं ने रूचि ले कर सीखा। प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत प्राचार्य जी. एस. पटैल द्वारा समस्त प्रशिक्षणकताओं को धन्वाद प्रेषित करते हुए छात्र-छात्राओं को प्राकृतिक आपदा के समय अपनी मानसिक एवं शारीरिक शक्ति से आपदा का सामना करते हुए अपने आपको एवं समाज को सुरक्षित रखने हेतु प्रोत्साहित किया।

श्री मुक्तानंद संस्कृत पाठशाला के जीर्णोद्धार हेतु 25 लाख की राशि स्वीकृत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले की सबसे प्राचीन संस्कृत पाठशाला श्री मुक्तानंद संस्कृत पाठशाला के भवन के जीर्णोद्धार हेतु जिले के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत रूचि लेते हुए 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर एक अनुकरणीय पहल की है। पाठशाला ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सन 1941 में स्थापित यह पाठशाला गुरुकुल पद्धति पर आधारित है तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करती है। जिले में यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को संस्कृत, वेद, धर्मशास्त्र सहित आधुनिक विषयों की शिक्षा उपलब्ध कराती है। यह पाठशाला न केवल शैक्षणिक दृष्टि से अपितु धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। यहां पर ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज सहित वर्तमान जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज जैसे महान संतों ने अध्ययन किया है। समिति अध्यक्ष सुमित छिरा ने आगे बताया कि वर्ष 2025 में अतिवृष्टि के कारण 84 वर्ष पूर्व निर्मित पाठशाला भवन जर्जर हो चुका था और गिरने की कगार पर था, जिससे अध्ययन और आवास में अनेक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही थीं। जब यह स्थिति मंत्री श्री सिंह के संज्ञान में आई, तो उन्होंने त्वरित निर्णय लेते हुए भवन के जीर्णोद्धार हेतु 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी। श्री मुक्तानंद पाठशाला परिवार ने मंत्री उदय प्रताप सिंह के इस सहयोग के लिए हृदय से आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया है तथा आशा जताई है कि भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस योगदान से न केवल पाठशाला के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि संस्कृत व सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार को भी नई ऊर्जा मिलेगी। यह निर्णय जिले के उन विद्यार्थियों के लिए एक वरदान सिद्ध होगा जो संस्कृत के माध्यम से अपना भविष्य संवारना चाहते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चांवरपाठा में ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी 2 डॉ. जीपी भनारिया, जिला क्षय अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर चांवरपाठा डॉ. राजकिशोर पटेल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक विनोद प्रजापति, ब्लॉक चांवरपाठा के सभी सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सेक्टर सुपरवाइजर एवं पीएचसी सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर मौजूद थे। उन्होंने बैठक में सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की उप स्वास्थ्य केन्द्रवार समीक्षा की गई। जिन उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्वास्थ्य सूचकांको में कम उपलब्धि पाई गई उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर अक्टूबर माह अंत तक लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

नियमों को दरकिनार कर किया जा इलाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले मे झोलाछाप डाक्टरों का मकड़जाल जमकर फैला हुआ नियमों को धता दिखाते हुए झोला छाप डाक्टरों द्वारा लोगों को मनमाफिक उपचार दिया जा रहा है। ऐसा ही मामला जिले के मलाह पिपरिया से सामने आया जहां पर डाक्टर गोपाल गोस्वामी द्वारा नियमों को दरकिनार कर धड़ल्ले से उपचार किया जा रहा है। जबकि क्लीनिक के संचालन के लिए क्लीनिक का पंजीयन होना बेहद आवश्यक होता है तथा इंजेक्शन आदि लगाने के लिए प्रशिक्षित नर्सिंग का होना भी जरूरी रहता है लेकिन यहां पर धड़ल्ले से नियमों को धता दिखाते हुए क्लीनिक संचालित की जा रही है। क्लीनिक संचालन के लिए पंजीयन के साथ साथ मेडिकल वेस्ट को भी खुले मे फेका जा रहा है। प्रशासन को चाहिए की ऐसे लोगो पर ठोस कार्रवाई की जाए जिससे लोगों की जान से खिलवाड़ ना हो वही छिंदवाड़ा मे हुई घटना से स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं की हकीकत लोगों के सामने आ चुकी है प्रशासन को चाहिए कि जिले मे अवैध रूप से क्लीनिक चलाने वालों पर भी ठोस कार्रवाई करे जिससे स्वास्थ्य विभाग पर लगने वाले दाग को रोका जा सके।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगो ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 180 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनों की जनसमस्या हेतु प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयो के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राधेश्याम नेमा सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

खेल/व्यापार

चोटिल कैमरन ग्रीन की जगह लाबुशेन को मौका, संडे को पहला वनडे मैच

सिडनी। चोटिल कैमरन ग्रीन भारत के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गये है ऑस्ट्रेलिया ने उनकी जगह मार्नस लाबुसेन को टीम में शामिल किया हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को बताया कि ग्रीन लो-ग्रेड साइड सॉरनेस के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। लाबुशेन शील्ड के मैच पूरा करने के बाद शनिवार रात एडिलेड से पर्थ के लिए उड़ान भरकर ऑस्ट्रेलिया के टीम से जुड़ेंगे, ताकि रविवार को होने वाले पहले वनडे से पहले टीम के साथ हो सकें। ग्रीन ने अभी-अभी प्रतिस्पर्धी गेंदबाजी पर वापसी की थी। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 दौरा छोड़ा था और पिछले हफ्ते पर्थ में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ शील्ड में खेले थे। वह मैच में आठ ओवर गेंदबाजी करने वाले थे लेकिन केवल चार ओवर ही कर पाए और एक विकेट लिया, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ ने उन्हें लगातार दिनों में गेंदबाजी की अनुमति नहीं दी। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में पर्याप्त बल्लेबाजी नहीं कर पाया और चार-ओवर स्पेल के बीच एक दिन का पर्याप्त आराम नहीं मिल सका। ग्रीन अब एक छोटी रिहैब अवधि से गुजरेंगे और आशा है कि वह 11 दिन बाद डब्ल्यूएसीए में शुरू होने वाले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शील्ड मैच में अभी भी खेल और गेंदबाजी कर पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह चोट चिंता का विषय है क्योंकि टीम ऐशेज से पहले ग्रीन के पूरी तरह फिट होकर बिना किसी प्रतिबंध के गेंदबाजी करने की उम्मीद कर रही थी। टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर भी संशय बना हुआ है। उन्होंने इस हफ्ते कहा था कि 21 नवंबर को पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलने की संभावना कम है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा का पर्थ में अभ्यास

पर्थ। सीनियर स्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पर्थ पहुंचते ही जमकर अभ्यास किया और रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान नेट्स पर काफी पसीना बहाया। सभी की निगाहें रोहित और कोहली पर हैं, जो पिछली बार भारत के लिए फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेले थे और अब केवल 50 ओवर के प्रारूप में ही उपलब्ध हैं। दोनों पूर्व भारतीय कप्तान ने नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। भारतीय टीम 29 अक्तूबर से शुरू होने वाले तीन वनडे और पांच टी-20 मैच के सीमित ओवरों के दौरे के लिए बुधवार और गुरुवार को दो ग्रुप में पर्थ पहुंची। रोहित को नेट्स में समय बिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते भी देखा गया। नेट सत्र के बाद कोहली को गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ बातचीत करते देखा गया, जिसके बाद उन्होंने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ भी बात की। टीम का शुक्रवार और शनिवार को एक ट्रेनिंग सत्र है।

रैपिडो पर होटल और बस-ट्रेन टिकट बुकिंग सर्विस शुरू

नई दिल्ली। भारत के राइडशेयरिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो पर अब होटल, फ्लाइट, ट्रेन और बस टिकट भी बुक किए जा सकते हैं। इसके लिए अपनी ने गोआईबीबो, रेडबस और कन्फर्म टिकट जैसी ट्रैवल कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की है। रैपिडो ने इन कंपनियों को अपने एप में इंटीग्रेट कर दिया है। इसके बाद टिकट बुक करने के लिए अलग-अलग एप्स डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते ऑनलाइन ट्रैवल बाजार में एंट्री के लिए उठाया है। इंडस्ट्री का अनुमान है कि 2026 तक भारत का ट्रैवल बाजार ?5.8 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। रैपिडो का टर्गेट है कि अपने 5 करोड़ मासिक यूजर्स को इस सुविधा से जोड़कर इस संख्या को 10 करोड़ तक ले जाए।

एक एप पर मिलेगी होटल से ट्रेन तक की बुकिंग

फ्लाइट और होटलः गोआईबीबो के जरिए अब सीधे रैपिडो एप से फ्लाइट और होटल बुक हो जाएंगे।

बस बुकिंगः रेडबस की मदद से एक शहर से दूसरे शहर जाने वाली बसें बुक की जा सकेंगी।

ट्रेन टिकटः कन्फर्म टिकट के जरिए ट्रेन टिकट बुकिंग की सुविधा मिलेगी।

स्वास्तिक हॉस्पिटल को नहीं मिली नगर निगम की NOC -दस्तावेजों ने खोली सच्चाई

रेवांचल टाइम्स विशेष फॉलोअप रिपोर्ट, जबलपुर। विजयनगर क्षेत्र स्थित स्वास्तिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को लेकर लगातार उठ रहे विवादों के बीच अब नगर निगम जबलपुर के आधिकारिक दस्तावेजों से बड़ा खुलासा हुआ है। लोक सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में नगर निगम भवन शाखा ने स्पष्ट किया है कि स्वास्तिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को अस्पताल संचालन हेतु कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) या अनुमति पत्र जारी नहीं किया गया है।

RTI में मांगी गई जानकारी

लोक सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत 14 अगस्त 2025 को दायर आवेदन में यह पूछा गया था कि

■ क्या नगर निगम, अग्निशमन विभाग एवं भवन शाखा द्वारा स्वास्तिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, आईटीआई रोड श्रीधाम कॉलोनी के सामने स्थित अस्पताल को संचालन हेतु कोई एन.ओ.सी. प्रदान की गई है?

इस पर नगर निगम भवन शाखा ने अपने उत्तर पत्र क्रमांक-भ.शा./2025-26/642 दिनांक 22.09.2025 में कहा कि –

■ नगर निगम भवन शाखा द्वारा उक्त अस्पताल को संचालन हेतु किसी प्रकार की एन.ओ.सी./अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है।

लोक सूचना अधिकारी का जवाब

लोक सूचना अधिकारी (नगर निगम जबलपुर) द्वारा 24 सितंबर 2025 को दिए गए उत्तर में कहा गया कि भवन शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त अस्पताल के पास नगर निगम की स्वीकृति नहीं है। इस प्रकार, सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन का निस्तारण करते हुए प्रकरण निरस्त किया गया उल्लेख किया गया है।

अस्पताल संचालन पर उठे नए सवाल

नगर निगम के इस जवाब के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि स्वास्तिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर बिना वैध अनापत्ति प्रमाण पत्र के संचालित किया जा रहा है। यह स्थिति म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1956, म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 तथा स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों का सीधा उल्लंघन है।

पहले भी लगे थे गंभीर आरोप

इससे पहले रेवांचल टाइम्स ने अपनी विशेष रिपोर्ट में खुलासा किया था कि स्वास्तिक हॉस्पिटल ने गलत खसरा नंबर दर्शाकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से नक्शा स्वीकृत कराया, परंतु वास्तविक निर्माण अन्य भूमि पर किया गया।

इसके अलावा –

फायर सेफ्टी मार्ग एवं पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई, सार्वजनिक रास्ता बंद कर भारी मशीनें लगाई गईं, ध्वनि व वायु प्रदूषण फैलाने वाले कम्प्रेशर खुले में लगाए गए। इन सबके कारण नागरिकों का आवागमन बाधित हो गया है और आसपास के रहवासी लगातार परेशानी झेल रहे हैं।

कानूनी स्थिति

फ्ळक में प्राप्त उत्तर के अनुसार, यदि अस्पताल के पास नगर निगम, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग तथा फायर विभाग की अनुमति नहीं है, तो अस्पताल संचालन अवैध माना जाएगा।

कानूनी रूप से यह निम्न अधिनियमों का उल्लंघन है

1. म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 – धारा 30, 33, 34
2. म.प्र. भूमि विकास नियम, 1984 – नियम 31, 42, 43
3. भारतीय न्याय संहिता, 2023 – धारा 318, 336, 338, 340
4. वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, 1981 – धारा 21, 22
5. Noise Pollution Rules, 2000 – नियम 3, 4

शिकायत अब उच्च स्तर तक पहुँची

मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्रालय, नगर निगम आयुक्त, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित 11 विभागों को भेजी गई है।

शिकायत में यह माँग की गई है कि

अस्पताल के स्वीकृत नक्शे व वास्तविक निर्माण की जाँच की जाए,
अवैध निर्माण को निरस्त कर रास्ता खुलवाया जाए,
प्रदूषण फैलाने वाली मशीनें हटाई जाएँ,
और दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई की जाए।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल

नगर निगम के आधिकारिक दस्तावेजों में ठडउ जारी न होने का खुलासा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर बिना अनुमति कोई निजी अस्पताल वर्षों से संचालित हो रहा है, तो यह जिम्मेदारी तय करना जरूरी है कि निगरानी और कार्रवाई किस स्तर पर रोकी गई। अब जबकि RTI से यह प्रमाणित हो चुका है कि स्वास्तिक हॉस्पिटल को नगर निगम से NOC नहीं मिली है, प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि वह तत्काल जाँच कर ठोस कार्रवाई करे। अन्यथा यह मामला सिस्टम की नाकामी का उदाहरण बन सकता है – जहाँ प्रभावशाली संस्थान नियमों को दरकिनार कर नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालते हैं।

डकैत वर्दी में थे, डकैतों की तरह भागे भी वही .... जब पुलिस ही लूट ले तो FIR किससे लिखाओगे?

■ वर्दी जिसकी सलामी हम करते थे, आज वही नोटों की चमक में बिक गई।
■ थाने की दहलीज पर अब न्याय नहीं, सिर्फ. लालच का काले-धब्बा दिखता है।
■ जिस वर्दी ने कभी हमें बचाया था, वही आज हमारी उम्मीदों की लाश उठाए खड़ी है।
■ कानून की किताबें बंद हैं, और वर्दी के पन्नों पर सिर्फ.लालच की स्याही बह रही है।
■ जब सिपाही डकैत बन जाए, तो जनता का भरोसा नहीं .... सिर्फ.सवाल बचते हैं।
■ तीन करोड़ नहीं लुटे .... भरोसे की तिजोरी को वर्दी ने उड़ा लिया।
■ वर्दी आज पीठ में छुरा घोंप रही है, और जनता खामोशी से देख रही है।

डकैत वर्दी में थे और लूट कानून की हुई!

हवाला की रकम पकड़ने गए थे... लेकिन जब्त करने की जगह बाँटने बैठ गए! करीब तीन करोड़ की हवाला राशि रातों-रात गायब और अब पुलिस ही पुलिस को पकड़ रही है। 11 पुलिसकर्मी गिरफ्तार .... SDOP, रक्ळ प्रधान आरक्षक तक लाइन में। सरकारी गाड़ियाँ जब्त, नक्शे बने, बयान बदले पर सच्चाई वही .... डकैती वर्दी में हुई है, और शर्म जनता की आई है। जिस सिस्टम पर भरोसा था, वही अब हवाला की गड्डियों में लिपटा पड़ा है। वर्दी में बैठे कुछ लालची अफसरों ने पूरे विभाग को नंगा कर दिया है। अब SIT पूछ रही है .... कितना बाँटा, किसको दिया? जनता पूछ रही है .... अब भरोसा किस पर करें? SDOP साहिबा बच्ची को गोद में लेकर कोर्ट पहुँचीं, लेकिन सवाल गोद में नहीं .... जेब में पड़े नोटों पर है!

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सिवनी की पुलिस, जो कभी अपराधियों का पीछा करती थी, आज खुद अपराध की साक्षी बन चुकी है। हवाला डकैती कांड अब महज एक केस नहीं, बल्कि इस बात की जीवित मिसाल है कि कैसे ईमानदारी की पुलिस डायरी में आजकल रिश्वत के नोट चिपके हुए हैं। जिस वर्दी की सलामी जनता देती थी, वही वर्दी अब हवाला की गड्डियों में लिपटी हुई पाई गई। मामला कोई छोटा-मोटा नहीं .... करीब तीन करोड़ रुपये की हवाला रकम जो पुलिस के हाथ लगी और फिर... सरकारी खजाने तक पहुँचने से पहले गायब हो गई। गायब भी ऐसे कि अब रक्ळ को खुद अपनी वर्दी की जेबें टटोलनी पड़ रही हैं। रक्ळ ने अब तक 11 पुलिसकर्मी गिरफ्तार किए हैं .... SDOP पूजा पांडे, रक अर्पित भैरम से लेकर प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला तक। सरकारी वाहन जब्त हुए, नक्शे बने, पूछताछ हुई, बयान लिए गए .... लेकिन जनता पूछ रही है, क्या पुलिस से भी पुलिस को बचाना पड़ेगा? कहते हैं डकैत जंगल में होते हैं, पर इस बार डकैत वर्दी में थे। हवाला की रकम पकड़ने गए तो कानून की किताब खुलने से पहले लालच की पन्ने पलट गए। रकम जब्त नहीं हुई, बल्कि बाँटने की प्लानिंग बन गई। डकैती, अपहरण, साजिश .... सब कुछ उसी पुलिस थाने में, जहाँ आम जनता को एक एफआईआर के लिए भी भीख माँगनी पड़ती है। SDOP साहिबा अपनी दो साल की बच्ची को गोद में लेकर कोर्ट पहुँचीं। तस्वीरें वायरल हुईं, और एक बड़ा तबका कहने लगा .... देखो, माँ है, मजबूर होगी। पर असली सवाल यह है कि मजबूरी किसकी थी .... उस माँ की, या उस सिस्टम की जिसने लालच को ड्यूटी बना दिया? SIT की पूछताछ जारी है। फाइलें चल रही हैं। बयान बदल रहे हैं। लेकिन जब पूरा खेल थाने से शुरू हुआ था, तो जांच का अंत कहाँ होगा, ये समझना मुश्किल नहीं। दरअसल, यह कोई हवाला डकैती केस नहीं है, बल्कि पुलिस ईमानदारी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट है। राज्य के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने सख्ती दिखाई है, लेकिन यह सख्ती सिर्फ. कागजों पर ही न रह जाए, यह भी देखना होगा। क्योंकि हर जांच के बाद पुलिस विभाग वही पुराना बयान दे देता है .... जांच जारी है। जांच जारी रहती है, मगर न्याय वहीं रुक जाता है, जहाँ वर्दी वाला आरोपी बनता है। एक सवाल और .... जब पुलिस हवाला लूट लेती है, तो वो हवाला व्यापारी कौन सा कानून मानेगा? जब सिपाही डकैत बन जाए, तो जनता किस पर भरोसा करे? जब ईमानदारी प्रेस नोट में और बेईमानी थाने में दिखे, तो किसे सलाम करें? यह मामला सिवनी का जरूर है, लेकिन इसका असर पूरे प्रदेश में गूंजेगा। यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें कानून के रखवाले अब कानून के लुटेरे बन बैठे हैं। और जनता अब यही कह रही है .... डकैतों से डर नहीं लगता साहब, पुलिस वालों से लगता है .

मुहम्मद अनवार बाबू

स्टेशन चेकिंग में जीआरपी की बड़ी सफलताः दीपावली से पहले दो शातिर चोर सलाखों के पीछे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। त्योहारों के पहले जीआरपी जबलपुर ने रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान दो शातिर चोरों राजा गौड़ और विवेक ठाकुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने आठ चोरी की वारदातों का खुलासा किया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर करीब 75 हजार रुपये का माल बरामद किया। यह कार्रवाई एसपी रेल सिमाला प्रसाद के निर्देशन में एएसपी भावना मरावी, डीएसपी अंकिता सुल्या और थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में की गई। उत्कृष्ट कार्य पर पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

रिपोर्ट – आरती लोधी, रेवांचल टाइम्स

जुआ के फड़ों पर ताबड़तोड़ छापेः 21 जुआड़ी गिरफ्तार, 18 हजार 180 रुपये जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। दीपावली के पहले जहां आम नागरिक खरीदारी और उत्सव की तैयारियों में जुटे हैं, वहीं पुलिस ने भी अपने तरीके से शहर और गांवों में सुरक्षा और कानून की सफाई अभियान तेज कर दी है। जिले में जुआ-सट्टे के बढ़ते मामलों पर नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) ने साफ निर्देश दिए .... जो कानून से खेलेंगे, वे इस बार ताश की गड्डी नहीं, हथकड़ियों के पत्ते देखेंगे। उसी आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शुक्ला और प्रभारी एसडीओपी पाटन/बरगी अंजुल अयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में पाटन और भेड़ाघाट पुलिस ने बीती रात दो अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए कुल 21 जुआड़ियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 18 हजार 180 रुपये नकद, ताश की गड्डियाँ और मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पाटन पुलिस की सटीक कार्रवाई .... गांव के मेदान में जुआ का खेल खत्म

थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह के नेतृत्व में 16 अक्टूबर को मिली सूचना पर ग्राम सकरा में दबिश दी गई। पुलिस पहुंची तो वहां एक खाली मैदान में नेट बिछाकर मोबाइल की टॉर्च में जुआ खेला जा रहा था। पुलिस ने घेराबंदी की और सभी जुआड़ियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में राकेश जैन (पाटन), गोविन्द यादव (कटंगी), देवेन्द्र यादव (पाटन), प्रदीप जैन (कटंगी), पुष्पेन्द्र खरे (कटंगी), अमित नेमा (कटंगी), गोविन्द सिंह राजपूत (कटंगी), उमेश गोड़ ठाकुर (तेदुखेड़ा), सुखदेव यादव (कटंगी) शामिल हैं। इनसे 14 हजार 230 रुपये, ताश के 52 पत्ते, 9 मोबाइल फोन और नेट बरामद किया गया। सभी के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि जब एक अधिकारी कानून के प्रति सख्त और ईमानदार रुख अपनाता है, तो अवैध जुआ के अड्डे ज्यादा दिन नहीं टिक सकते।

इस कार्रवाई में उप निरीक्षक जितेन्द्र दुबे, आकाशदीप,

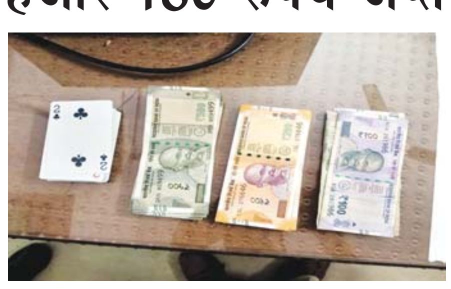

अरविंद सिंह, आरक्षक विनय, रामगोपाल, अनुराग की भूमिका उल्लेखनीय रही।

भेड़ाघाट पुलिस ने भी दिखाया दम .... बिजली के खंभे के नीचे पकड़ा जुआ फड़

इधर थाना प्रभारी कमलेश चौरिया को सूचना मिली कि ग्राम गड़र पिपरिया नहर के पास, कुछ लोग बिजली के खंभे की रोशनी में जुआ खेल रहे हैं।

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की और मौके पर जाकर जुआ खेलते नौ लोगों को गिरफ्तार किया।

इनमें ईश्वरदास पटेल, संतोष प्रधान (गड़र पिपरिया), नीरज लडिया, सच्चू उर्फ सचिन गौड़ (सहजपुर), गेंदालाल कोल, राजकुमार रैकवार, अभिषेक पटेल, अशोक चौधरी, नरेश सिंह गौड़, अविनाश चड़ार, रज्जन पटेल और संदेश जैन (नानी कटंगी) शामिल हैं।

इनसे 3950 रुपये नकद और ताश पत्ते जब्त किए गए हैं। थाना प्रभारी कमलेश चौरिया की त्वरित प्रतिक्रिया और नेतृत्व ने यह साबित किया कि जब पुलिस वर्दी में जिम्मेदारी और चौकसी साथ होती है, तो गांव की गलियों में भी कानून की गरिमा चमकती है।

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा है कि जिले में किसी भी कीमत पर संगठित जुआ–सट्टा कारोबार नहीं चलने दिया जाएगा।

आने वाले दिनों में भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जबलपुर पुलिस की यह दोहरी सफलता न सिर्फ अपराधियों के हौसले तोड़ती है, बल्कि यह भरोसा भी जगाती है कि कानून अगर चाहे तो किसी भी अंधेरे में रोशनी फैला सकता है।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

स्मैक तस्करी पर पुलिस का बड़ा प्रहार

दो तस्कर गिरफ्तार, 40 ग्राम स्मैक और बाइक जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अपराध की गलियों में चाहे कितनी भी अंधेरी परछाइयां क्यों न हों, पुलिस अगर जागरूक हो तो हर तस्कर की चाल बेनकाब हो सकती है। जबलपुर में ऐसा ही हुआ, जब थाना केण्ट की टीम ने मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी में लिप्त दो युवकों को रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 40 ग्राम स्मैक और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लगभग चार लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) के सख्त निर्देशों के तहत की गई, जिनमें उन्होंने जिले के सभी अधिकारियों को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने को कहा था। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात अंजना तिवारी और नगर पुलिस अधीक्षक केण्ट उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में थाना केण्ट पुलिस ने यह सफलता हासिल की।

योजनाबद्ध कार्रवाईः सूचना से गिरफ्तारी तक

थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र पटले ने बताया कि 16 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति काले-नीले रंग की स्प्लेंडर बाइक (एमपी 20 केएन 6660) से पेंटीनाका क्षेत्र में स्मैक बेचने के इरादे से ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने तत्काल योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी और मौके पर पहुंचे तो बाइक के पास दो

युवक खड़े मिले। घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम बताए .... कपिल सोनकर (35 वर्ष), निवासी खटीक मोहल्ला और आदित्य उर्फ छोटू सोनकर (22 वर्ष), निवासी तुलसी मोहल्ला बेलबाग। तलाशी के दौरान कपिल सोनकर की जेब से पारदर्शी पन्नी में भरा स्मैक का पैकेट मिला। तौलने पर इसका वजन 40 ग्राम पाया गया। आरोपियों ने खुलासा किया कि यह मादक पदार्थ उन्होंने वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश निवासी मान सिंह कुशवाहा से खरीदा था और बचा हुआ माल बेचने की फिराक में थे।

पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई बनी मिसाल

थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र पटले के नेतृत्व में की गई यह कार्रवाई केवल एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि जबलपुर पुलिस की सजगता और पेशेवर दक्षता का उदाहरण है। पुलिस टीम ने जिस तेजी और संयम से एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की, उसने तस्करों को साफ संदेश दे दिया है कि जबलपुर में अब नशे का कारोबार नहीं चलेगा। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक जगदीश सिंह, प्रधान आरक्षक रविशंकर शुक्ला, आरक्षक बलराम मरावी, अम्बरीश, और सौरभ यादव की भूमिका सराहनीय रही।

एसपी का सख्त रुख और पुलिस की प्रतिबद्धता

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा है कि नशे के कारोबार से समाज की जड़ें खोखली होती हैं, और इसे जड़ से उखाड़ना जबलपुर पुलिस की प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में नशे के सौदागरों पर लगातार शिकंजा कसने की कार्रवाई जारी रहेगी। थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र पटले और उनकी टीम ने यह साबित कर दिया है कि जब पुलिस ईमानदारी, रणनीति और साहस के साथ मैदान में उतरती है, तो अपराध चाहे कितना भी संगठित क्यों न हो .... गिरता जरूर है।

अतुल कुमार बन्देवार

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत विवेक पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। शासन के निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किए जाने के निर्देश हैं। जिसके तारतम्य में विवेक पब्लिक स्कूल जिला शहडोल (म.प्र.) में जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में प्रदीप सिंह, संगीता निगम किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, अभिषेक चौकसे उहउ सदस्य, संजीता भगत सहायक संचालक, डॉ० अनीता निगम प्राचार्य, डॉ० गोपाल निगम संचालक वन स्टॉप सेंटर से सपना पाण्डेय काउंसलर, भानुप्रिया केसवर्कर उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन संजीता भगत द्वारा किया गया। आज के थीम अनुसार बालिका को 01 दिवसीय विद्यालय के प्राचार्य बनाए जाने एवं प्राचार्य के कार्यभार एवं दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश हैं। जिसके तारतम्य में बालिका अनामिका ठाकुर को एक दिवस हेतु विद्यालय का प्राचार्य बनाया गया। बालिका द्वारा सभी विद्यार्थियों से कहा गया कि प्राचार्य एक ऐसा पद है जिनके पास पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी होती है। छोटे बच्चों से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के पढ़ाई से लेकर विद्यालय आने व वापस घर जाने तक की जिम्मेदारियां होती है। विद्यालय के सभी शिक्षक किस तरह से बच्चों को पढ़ाते हैं उनका बच्चों के प्रति व्यवहार एवं कार्य सभी की जिम्मेदारियां प्राचार्य पर होती है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए प्रदीप सिंह द्वारा पॉक्सो एक्ट से संबंधी जानकारियां दी गई। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं इसलिए सभी नागरिकों का बच्चों की सुरक्षा सर्वप्रथम कर्तव्य है। आज हमारे देश में कई जगहों पर बच्चे असुरक्षित महसूस करते हैं इस हेतु शासन द्वारा टोल फ्री नंबर 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के नाम से जारी किया गया है जिसका उपयोग कर बच्चों की सहायता की जा सकती है। अभिषेक चौकसे द्वारा बच्चों को सोशल मीडिया का सावधानी पूर्वक उपयोग किए जाने हेतु सलाह दिया गया। संगीता निगम द्वारा सभी बच्चों के बाल विवाह संबंधी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ० गोपाल निगम द्वारा आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया गया। विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का सराहनीय सहयोग रहा।

पीआरटी महाविद्यालय में दिवाली के पावन पर्व पर रंगोली प्रतियोगिता संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पंडित रामगोपाल तिवारी महाविद्यालय में दिवाली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से सामाजिक संदेश देते हुए रंग-बिरंगी सुंदर रंगोलियां बनाईं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई एक विशेष रंगोली ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें महिला सुरक्षा को प्रमुख विषय बनाया गया था। इस रंगोली के माध्यम से छात्रों ने समाज को "STOP VIOLENCE, STOP RAPE, GIVE JUSTICE" का सशक्त संदेश दिया। महाविद्यालय के संचालक डॉक्टर देवेंद्र कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल त्योहारों की खुशियों को बढ़ाती हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच भी फैलाती हैं। अंत में सभी प्रतिभागियों और महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को संचालक डॉ तिवारी के द्वारा और समस्त प्राध्यापकों ने सुरक्षित व खुशहाल दिवाली की शुभकामनाएं दी गई।

कौशल विकास यात्रा 2025, कौशल रथ का आगमन और एआई लिट्रेसी मिशन का सफल समापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। देश की अग्रणी कौशल और उच्च शिक्षा संस्था आईसेक्ट द्वारा आयोजित कौशल रथ झ कौशल विकास यात्रा 2025 का सफल समापन हो गया। यह यात्रा 6 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 20 राज्यों के 300 जिलों में फैले 500 स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों तक पहुँची और लाखों विद्यार्थियों, युवाओं तथा शिक्षकों को कौशल विकास और भविष्य की तकनीकों से अवगत कराया। इस वर्ष की यात्रा का मुख्य आकर्षण अक्छ्ड्ढ्र्९ ट्र२इ्ड्ढल्ल रहा। आईसेक्ट के विशेष रूप से तैयार किए गए कौशल रथ के माध्यम से गाँव-गाँव और शहर-शहर तक एआई, एआर/वीआर जैसी भविष्य की तकनीकों से संबंधित जानकारी, डेमो और प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई। यात्रा के दौरान निःशुल्क एआई सेमिनार, कार्यशालाएँ, करियर काउंसलिंग सत्र और तकनीकी प्रदर्शन आयोजित किए गए। आईसेक्ट ने इस यात्रा के माध्यम से चार प्रमुख उद्देश्य पूरे किए। विद्यार्थियों, शिक्षकों और SKPs को एआई शिक्षा में प्रशिक्षित करना निःशुल्क सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से समुदायों को जोड़ना। स्कूलों और कॉलेजों के साथ सहयोग बढ़ाकर संस्थागत नेटवर्क को मजबूत करना। विद्यार्थियों के समूह तैयार कर भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करना। यात्रा के दौरान आईसेक्ट-NSDC साझेदारी में संचालित 250 से अधिक डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेस की जानकारी दी गई। इन कोर्सेस में कंप्यूटर, आईटी, फ्यूचर स्किल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, बैंकिंग और फाइनेंस, शिक्षक प्रशिक्षण, कृषि और रिटेल जैसे रोजगारोन्मुख विषय शामिल थे। आईसेक्ट के प्रवक्ता भगवान दास ने कहा, ह्लकौशल विकास यात्रा 2025 केवल एक शैक्षणिक अभियान नहीं है, बल्कि यह युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने, रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है। आईसेक्ट अब आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके भारत के हर युवा को नए युग की तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में काम जारी रखेगी।

बुजुर्ग के साथ 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी दंपत्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन पर गंभीर अपराधों में लिप्त अभियुक्तों की धरपकड़ हेतु अभियान चलाकर कार्यवाई का निर्देश दिया गया है जिसके अनुपालन में धोखाधड़ी के मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बिजुरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम एवं सायबर सेल की संयुक्त कार्रवाई के दौरान तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपी दम्पति को गिरफ्तार किया गया है।

थाना बिजुरी में फरियादी राजकुमार महरा पिता बिरझू महरा उम्र 60 वर्ष निवासी मोहरी हाल पौराधार द्वारा दिनांक 01 अक्टूबर 2025 को एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई कि योगेश चन्द्रा एवं उसकी पत्नी हेमा चन्द्रा, मनोज गुप्ता के साथ मिलकर पीएफ फण्ड निकलवाने की प्रवंचना कर छल एवं धोखाधड़ी कर फरियादी से ?9.44 लाख रुपये हड़प लिए गए हैं घटना विवरण पर आरोपियों के विरुद्ध धारा 420, 406, 120-बी भादवि के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के आरोपी योगेश चन्द्रा पिता स्व. आनंदराम चन्द्रा उम्र 39 वर्ष और हेमा चन्द्रा पति योगेश चन्द्रा उम्र 31 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा प्रकरण से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य जप्त किए गए हैं और गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया है तथा आरोपी मनोज गुप्ता की तलाश जारी है।यह उल्लेखनीय है कि आरोपी दम्पति फरियादी बुजुर्ग कालरी कर्मचारी का नाती है जिसने अपने नाना के अनपढ़ और बुजुर्ग होने का फायदा उठाकर उसके साथ धोखाधड़ी की गई है।

गोंगपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल, कार्रवाई नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले की धनपुरी नगर पालिका में भ्रष्टाचार के खिलाफ गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। नगर पालिका में चल रहे कथित घोटालों और नियमविरुद्ध निर्माण कार्यों को लेकर आज पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। पार्टी जिला अध्यक्ष छत्रपाल सिंह कुशराम ने पालिका प्रशासन पर वित्तीय अनियमितता, भूमिगत घोटालों और नियमविरुद्ध निर्माण कार्यों के आरोप लगाए हैं। वार्ड 2 में बिना किसी वैधानिक स्वीकृति के करोड़ों की लागत से निर्माण कराया जा रहा है। पालिका की भूमि और बजट दोनों ही संदिग्ध स्थिति में हैं, फिर भी अधिकारियों द्वारा कार्य जारी रखा गया है, जो नगर एवं ग्राम निवेश अधिनियम का उल्लंघन है। अगर शासन ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन छेड़ेगी। ज्ञापन में पालिका अध्यक्ष पर जातीय आधार पर पद का दुरुपयोग और आरक्षण नियमों की अनदेखी के भी आरोप लगाए गए हैं। पार्टी ने इसे सामाजिक न्याय और प्रशासनिक ईमानदारी के साथ खिलवाड़ बताया है। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि अब जनता जाग चुकी है, धनपुरी में चल रहे भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कन्या व इंजीनियरिंग महाविद्यालय की नवीन कार्यकारिणी का गठन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। कन्या महाविद्यालय, एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय शहडोल में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) द्वारा कॉलेज कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधिवत दीपप्रज्वलन करके किया गया, जिसके उपरांत विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह द्वारा विद्यार्थी परिषद के विषय के बारे में बताया गया उसके उपरांत विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय द्वारा इंदिरा गांधी गृहविज्ञान कन्या महाविद्यालय की नवीन कार्यकारणी की घोषणा की गई एवं विभाग संयोजक अखिलेश सिंह द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय की नवीन कार्यकारणी की घोषणा की गई। शासकीय कन्या महाविद्यालय नवगठित कार्यकारिणी में निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया। महाविद्यालय अध्यक्षझ मानवी सिंह, महाविद्यालय मंत्रीझ जिया दुबे, उपाध्यक्षझ अंशिका मिश्रा, श्रुति कुर्मेश्वर, प्रियांशी गुप्ता, ललिता मरावी, सह-मंत्री झ गायत्री देवी, कल्याणी मिश्रा, साक्षी सिंह, आशा प्रजापति, लक्ष्मी प्रजापति, एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय शहडोल की नवीन कार्यकारणी के दायित्ववान कार्यकर्ता अध्यक्ष झ सुशांत उपाध्याय एवं महाविद्यालय मंत्री झ मानस शुक्ला, उपाध्यक्ष झ आयुति पाठक, सचिता सेन, अभय तिवारी, आदित्य गुप्ता, हिमांशु शुक्ला, सह मंत्री झ सुहानी द्विवेदी, पीयूष पांडेय, मिताली जयसवाल, उत्कर्ष उपाध्याय, प्रिंस गुप्ता रहे। कार्यक्रम का संचालन शासकीय कन्या महाविद्यालय में भूमिका द्विवेदी एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय में संचिता सेन ने किया एवं आभार प्रदर्शन महाविद्यालय अध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यकारिणी गठन के पश्चात संगठन के आगामी कार्यक्रम को लेकर आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई।

न्यायालय - श्री अपूर्व मेहरोत्रा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मानपुर जिला उमरिया (म.प्र.)

आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु

आर.सी.एस.ए./26/2023

शिवम वगैरह..............वादीगण

बनाम

मुन्नीबाई वगैरह..... प्रतिवादीगण

प्रो.क्र.-944/2025

पेशी दिनांक-24.10.2025

प्रेषित-

1. दुर्गा प्रसाद पिता अवध पटेल उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम सलैया थाना इंदवार तहसील भानपुर, जिला उमरिया म.प्र.।

यह कि प्रार्थी **शिवम वगैरह** ने आपके विरूद्ध स्वत्व घोषणा एवं स्थायी निशेधाज्ञा तथा कब्जा दिलाये जाने बावत वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 05 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये समन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किल्ली ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि इस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन एसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रदिष्टि करें !

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी महोदय को अवगत करावें।

यह आज तारीख 10.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय का मुद्रा।

न्यायाधीश
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड मानपुर, जिला उमरिया (म.प्र.)

बांधवी हथिनी ने नर बेबी एलिफेंट को दिया जन्म

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथी का परिवार बढ़ गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक नया मेहमान आया है। बांधवी हथिनी ने एक नर हाथी (baby elephants) को जन्म दिया है। अब यहां हाथियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। जानकारी फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने दी है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला रेंज के बठान हाथी कैंप में 14 वर्षीय हथनी बांधवी ने पहली बार बच्चे को जन्म दिया है। जन्म के बाद हाथी मां और बच्चे का निरीक्षण रेंज अधिकारी ताला तथा वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा किया गया। जानकारी के अनुसार हाथी टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा मां को पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। (baby elephants) के साथ बांधवगढ़ में विभागीय हाथियों की संख्या अब बढ़कर 16 हो गई है।

सरप्रहरी छोटेलाल ने रसल वाईपर का रेस्क्यू कर जंगल मे छोड़ा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिला मुख्यालय के समाजसेवी व सरप्रहरी छोटेलाल ने जिला मुख्यालय के वार्ड नम्बर 12 चंदास टोला में विजय मसीह के घर पर भारत का सबसे जहरीला सर्प रसल वाईपर को पकड़कर विचरण के लिए सुरक्षित जंगल में छोड़ा। छोटेलाल ने बताया की रसल वाईपर सर्प जैसे ही ठण्ड दस्तक देती है वैसे ही इस सर्प का निकलना शुरू हो जाता है। सरप्रहरी ने बताया की कभी भी घर पर या आसपास कोई भी सर्प दिखे, उसे मारे नही, बल्कि सरप्रहरी को कॉल करके बुला ले, जिससे उसका रेस्क्यू करके जंगल मे छोड़ा जा सके, सरप्रहरी छोटेलाल कई वर्षो से सरप्रहरी का कार्य करते हुए हजारो सर्पो का रेस्क्यू कर जंगल मे छोड़ा जा चुका है।

झालीवाड़ा एवं गढ़ी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।
अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 13 से 17 अक्टूबर तक निरंतर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 17 अक्टूबर कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर बालाघाट द्वारा विकासखंड वारासिवनी के शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास झालिवाडा एवं वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा विकासखंड बैहर के पोस्ट ऑफिस गढ़ी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बालिकाओं को उनके सशक्तिकरण एवं स्वतंत्र पहचान को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भता के बालिकाओं को उनसे संबंधित अधिकारों, समाज में महिलाओं की स्थिति व सुधार संबंधी शिक्षा के अधिकार, साईबर, कानुनी अधिकारों एवं अन्य अधिनियमों जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध की रोकथाम, तथा गुड टच-बैड टच, बेटी बचाओ बेटी पड़ाओ, हब जैसे विषयों विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विकासखंड वारासिवनी के शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास झालिवाडा में छात्रावास अधीक्षिका सुनीता पटले एवं विकासखंड बैहर के पोस्ट ऑफिस गढ़ी में पोस्ट मास्टर पंच कुमार पारधी एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।
जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ की अध्यक्षता में 17 अक्टूबर को स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, सभी बीएमओ, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपमाला मंगोदिया, सहायक संचालक प्रशांतदीप ठाकुर एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में गर्भवती माताओं के अनमोल पोर्टल पर पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कटंगी, बालाघाट शहरी एवं ग्रामीण में लक्ष्य के अनुरूप पंजीयन की संख्या बहुत कम है। इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की गई और संबंधित खण्ड चिकित्सा अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। अनमोल पोर्टल की डाटा विश्लेषण एवं एएनसी जांच में कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई और हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनके उपचार प्रबंधन के लिए त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में बताया गया कि जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता योजना के लिए वर्ष 2025-26 में 8550 माताओं ने आवेदन किया है, इनमें से प्रसूति सहायता के लिए 3712 माता पात्र पायी गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सराफ ने सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन माताओं के बैंक खातो की ई-केवायसी एवं समग्र आईडी से सत्यापन नही हुआ है उसका कार्य शीघ्र पूर्ण कराए और सभी पात्र माताओं को प्रसूति सहायता की राशि उपलब्ध करा। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 58 प्रसव केंद्र है। इन केंद्रो पर 11 हजार 920 माताओं का संस्थागत प्रसव कराया गया है।

बैठक में निर्देशित किया गया कि जिले में शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए और प्रसव के दौरान मातृ शिशु मृत्यु दर को कम किया जाए। गर्भवती माताओं एवं बच्चों के टीकाकरण कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि टीकाकरण का कार्य जिम्मेदारी के साथ किया जाए और इसमें कोई भी बच्चा एवं गर्भवती माता नियमित टीकाकरण से वंचित नही रहना चाहिए। टीकाकरण के डब्ल्यूएचओ के डाटा में बिरसा विकासखंड में अंतर पाए जाने पर नाराजगी जाहिर की गई और निर्देशित किया गया कि जिले के डेटा और डब्ल्यूएचओ के डेटा में अंतर नही आना चाहिए। बैठक में निर्देशित किया गया कि पोषण पुनर्वास केंद्रों के बेड खाली नही रहना चाहिए। बाल विकास परियोजना अधिकारियों से समन्वय कर कुपोषित बच्चों को इन केंद्रो में भर्ती कर उपचार कराए। बैठक में क्षय नियंत्रण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सिकल सेल मरीजों की पहचान एवं उपचार, परिवार नियोजन, मलेरिया नियंत्रण एवं अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान आंगनवाड़ी के बच्चों को टीएचआर (टेक होम राशन) वितरण में संतोषजनक प्रगति नही पाए जाने पर बिरसा के बाल विकास परियोजना अधिकारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। आंगनवाड़ी के बच्चों को पोषण आहार एवं मध्यान्ह भोजन वितरण में फेशरिकग्निजेशन सिस्टम में कम प्रगति पाए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई। लाडली लक्ष्मी योजना अंतर्गत खैरलांजी परियोजना में लक्ष्य से कम प्रगति पाए जाने पर वहां के परियोजना अधिकारी को प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

फिट इंडिया फ्रीडम रन अभियान के तहत जवानों ने निकाली साइकिल रैली

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर। फिट इंडिया फ्रीडम रन 6.0 अभियान के तहत "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" थीम के साथ श्री कपिंग गिल, कमाण्डेंन्ट-7 बटालियन के नेतृत्व में साईकिल रैली का आयोजन किया गया। इस अभियान में बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने बड़-चड़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि द्वारा साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाते हुये 208 कोबरा बटालियन के मुख्य द्वार से प्रारम्भ करते हुये किरनापुर बस स्टैण्ड, मार्केट एरिया तथा ग्रामीण क्षेत्र से गुजरते हुए 208 कोबरा बटालियन में समापन किया गया। उक्त रैली के दौरान अधिकारियों व जवानों द्वारा "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" थीम के साथ ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि कपिंग गिल, कमाण्डेन्ट-7 बटालियन ने उपस्थित अधिकारियों/जवानों /ग्रामवासियों को उक्त अभियान के तहत मानव जीवन में होने वाले शारीरिक फायदे/लाभ से अवगत कराया गया तथा बहुमूल्य जीवन को बेहतरी की ओर अग्रसर करने हेतु फिट इंडिया फ्रीडम रन से संबंधित गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान के दौरान बटालियन के श्री रवीन्द्र सिंह (उप कमाण्डेंट), सुरेन्द्र नाथ (सहायक कमाण्डेन्ट), निरीक्षक/जीडी रामजी लाल मीणा, निरीक्षक/मंत्रा. रमेश

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की औद्योगिक यात्रा सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। एवं सरदार पटेल विश्वविद्यालय, बालाघाट के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बी.टेक. तृतीय एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण (Industrial Visit) का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग में प्रयुक्त आधुनिक तकनीकों, कार्य प्रणाली और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

माननीय कुलाधिपति इंजीनियर दिवाकर सिंह जी ने कहा कि ऐसी औद्योगिक यात्राएँ विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी अनुभव सिद्ध होती हैं। इससे छात्रों को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने, तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को इंडस्ट्री रेडी प्रोफेशनल बनाना है।

विद्यार्थियों ने गोंदिया स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनियों — NORG Technologies Pvt. Ltd., Staff Cloud Pvt. Ltd., TIU Consulting Pvt. Ltd. एवं Info Origin Pvt. Ltd. — का भ्रमण किया। इन कंपनियों के तकनीकी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, वेब एप्लिकेशन डेवलपमेंट तथा आईटी इंडस्ट्री में आवश्यक कौशल से संबंधित जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों को उद्योग के वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और तकनीकी कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

औद्योगिक यात्रा की सराहना कुलपति डॉ. बिप्लब पॉल, रजिस्ट्रार डॉ. स्वाति जायसवाल, प्रो-चांसलर वीरेश्वर सिंह, कार्यकारी निदेशक मनजीत सिंह तथा समिति सदस्यों ने की और औद्योगिक भ्रमण को एक अच्छा प्रयास बताया, यह औद्योगिक यात्रा विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी अनुभव सिद्ध हुई, जिससे उन्हें उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं और रोजगार की संभावनाओं की समझ विकसित हुई। इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष प्रभारी निदेशक डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. मुनेश ठाकरे, सुश्री दिव्या सिलहरे, कु. सुप्रज्ञा वर्मा, हरिओम विश्वकर्मा, सुधीर बिसेन विभाग के अन्य संकाय सदस्य विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

पीएचई का कारनामा, जिस ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए उसी ठेकेदार को दिया टंकी निर्माण का काम, एफआईआर भी नहीं हुई

सांसद और विधायक ने घटना को बताया शर्मनाक, थानेगांव की टंकी निर्माण करेगी रायसिंग एंड कंपनी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।
गिरी हुई पानी की टंकी का यह वीडियो, लांजी जनपद के थानेगांव का है, जब 28 अगस्त की देररात मेसर्स रायसिंग एंड कंपनी की बनाई गई पानी की टंकी भरभराकर गिर गई थी। 29 अगस्त को मामला सामने आने के बाद सांसद और क्षेत्रीय विधायक, गांव पहुंचे थे। अब उसी जगह पानी की टंकी का ठेका, उसी ठेकेदार को दे दिया गया।

उस वक्त जनप्रतिनिधियों ने गुणवत्ता तथा मटेरियल पर सवाल खड़े करते हुए ना केवल घटना को शर्मनाक बताया था बल्कि ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेट करने सीएम से बात करने तक की बात कही थी। लेकिन डेड़ माह के अंतराल में ही पीएचई विभाग ने मेसर्स रायसिंग एंड कंपनी को पानी टंकी निर्माण का ठेका दे दिया और गत दिवस पीएचई के कार्यपालन यंत्री बी.एल. उईके, उसका भूमिपूजन भी कर आए।

इसमें खास बात यह है कि 28 अगस्त को गिरी इस पानी की टंकी का मामला पीएचई मंत्री संपत्तिया उईके तक भी पहुंचा था। जिसके बाद प्रशासन ने इस पर बड़ी गंभीरता दिखाई थी। ना केवल इस घटना पर लांजी थाने में रायसिंग एंड कंपनी के ठेकेदार दिलीप पटेल के खिलाफ, एफआईआर दर्ज करने पीएचई-ई ने पत्र लिखा था। बल्कि पानी टंकी की गुणवत्ता की जांच के लिए पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य को भी निर्देशित किया था। कलेक्टर ने इस मामले में गुणवत्ता की जांच करने टीम गठित की थी लेकिन टीम की जांच में क्या आयाड़ जांच हुई या नहींड़ इसको लेकर ना तो प्रशासन और ना ही पीएचई विभाग ने कोई जानकारी अब तक साझा की है।

चिंतनीय पहलु यह है कि इस मामले में पीएचई-ई ने ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर के लिए पत्र तो लिखा लेकिन पुलिस को वह बेस ही उपलब्ध नहीं कराया। जिसके आधार पर पुलिस एफआईआर कर सके। आलम यह है कि अब तक एफआईआर नहीं हो सकी है और तो और पानी टंकी की गुणवत्ता की जांच के लिए जिस पॉलीटेक्निक कॉलेज प्राचार्य को निर्देशित किया गया था। उनका कहना है कि मुझे तो आज तक जांच को लेकर कोई पत्र नहीं मिला है। जबकि क्षेत्रीय जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने बताया कि केवल थानेगांव ही नहीं बल्कि क्षेत्र में जितनी भी जल जीवन मिशन के तहत जितनी भी पानी की टंकी का निर्माण, रायसिंग एंड कंपनी ने किया है, वह पूरी गुणवत्ताहीन है।

आपको बताते चले कि थानेगांव पानी टंकी में निर्माण से शासन को पूरी योजना की राशि 75.08 लाख रूपए के नुकसान पहुंचा था। जबकि ठेकेदार ने 2020-21 में लांजी क्षेत्र के 20 गांवो में स्वीकृत 24 टंकियो का निर्माण, लगभग 18 करोड़ 92 लाख 43 हजार रूपए की लागत से किया है।

पुलिस एवं खनिज विभाग के अमले ने नोनसा में की छापामार कार्यवाही

रेत के अवैध परिवहन में लिप्त बिना नंबर का ट्रेक्टर ट्राली सहित जब्त किया गया

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।
कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में रेत एवं अन्य खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 17 अक्टूबर को पुलिस एवं खनिज विभाग के अमले द्वारा खैरलांजी तहसील के ग्राम नोनसा में छापामार कार्यवाही कर रेत का अवैध परिवहन करने पर एक ट्रेक्टर को ट्राली सहित जब्त किया गया है।

खनिज के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए 17 अक्टूबर को खैरलांजी थाना प्रभारी श्री राम सिंह एवं खनिज निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते ने अपने अमले के साथ ग्राम नोनसा में संयुक्त रूप से छापामार कार्यवाही की है। इसमें रेत के अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर बिना नंबर के इंडो फार्म ट्रैक्टर इंजन क्रमांक C328616323PR को ट्राली सहित जब्त कर खैरलांजी थाने में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। ट्रेक्टर मालिक के विरूद्ध खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में 10 दिवसीय मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 16 अक्टूबर को प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में 10 दिवसीय मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित किया गया। इस दौरान बताया गया कि बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास विकसित करने के लिए प्रोजेक्ट वर्क के अंतर्गत यह प्रशिक्षण 08 अक्टूबर से दिया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों में आर्थिक स्वालंबन की भावना विकसित हो सकें। इसी उद्देश्य से दीपावली पर्व में रोशनी के महत्व को ध्यान में रख कर मोमबत्ती निर्माण की विधि डिजाईन, आय-व्यय, बिक्री के तरीके पर भी सैद्धांतिक जानकारी विद्यार्थियों को दी गई जिस, से विद्यार्थियों में भी उत्साह के साथ अपनी कलात्मक रूचि को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। 16 अक्टूबर को प्राचार्य द्वारा मोमबत्ती बिक्री प्रर्दशनी का औपचारिक उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉल में रखी गई रंग-बिरंगी विभिन्न डिजाईन की मोमबत्तियों की सुन्दरता से महाविद्यालय के स्टॉफ व विद्यार्थियों में खरीदने का उत्साह दिखा। कलात्मक मोमबत्ती के प्रशिक्षण से विद्यार्थियो द्वारा बनाई गई मोमबत्तियों की महाविद्यालय के प्राचार्य व स्टॉफ ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण देने का कार्य श्रीमती राजश्री जैसवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम आईक्यूएसी प्रभारी डॉ सीमा श्रीवास्तव के निर्देशन में व डॉ. कंचन मसराम, डॉ. चित्रमाला भालाधरे के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में लगाए गए शिविर

आम नागरिक सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं वी मित्र एप्प के फायदे से हुए अवगत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 17 अक्टूबर को बालाघाट वृत्त अंतर्गत वितरण केंद्र सरेखा-1 पंचायत भवन चिखला वितरण केन्द्र वारासिवनी, ग्राम पंचायत सिकन्द्रा एवं वितरण केंद्र बोनकट्टा पंचायत भवन मिरगपुर में विद्युत उपभोक्ताओ, जन प्रतिनिधियो, कनिष्ठ अभियंता, सोलर वेंडर एवं ग्राम सरपंच की उपस्थिति में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित नागरिकों को ऐप एवं शासन द्वारा प्रचलित पी एम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान उपभोक्ताओं एवं आमजन को पी एम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभ, योजना के उद्देश्य, पर्यावरण हित, नवीनीकरण ऊर्जा के सबंध में अवगत कराया गया। इस दौरान पूर्व से स्थापित सोलर कनेक्शन धारी हितग्राहियों द्वारा इस योजना के लाभ के बारे में बताया गया। उपभोक्ताओं को नेट मीटर के बारे में एवं सोलर प्लांट की लागत राशि के बारे मे बताया गया। साथ ही प्रति किलोवाट मिलने वाली सब्सिडी की राशि के बारे में एवं बैक से सिविल स्कोर के आधार पर कम ब्याज दरों के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में कृषि पंप के लिए लागू कुसुम बी योजना के बारे में भी जानकारी दी गई एवं शासन द्वारा दी जा रही 90 प्रतिशत सबसिडी के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में 22 उपभोक्ताओं द्वारा सोलर लगाने की सहमती प्रदान की गई। साथ ही शिविर में ऐप के बारे में बताया गया जिसमें विद्युत चोरी एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं पारदर्शिता के लिए विद्युत का दुरूपयोग करने वालों के विरूद्ध सूचना दिये जाने की सुविधा प्रदान की गई है एवं सूचना सत्य होने पर, सूचना देने वाले को ईनाम ऑनलाइन प्रदाय किया जावेगा के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

अनुसंधान सेवाओं के संचालक डॉ. कौतु पहुंचे कृषि महाविद्यालय बालाघाट आईआरआरआई परियोजना का किया निरीक्षण

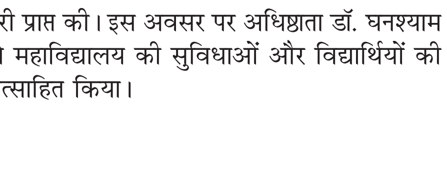

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 16 अक्टूबर को अनुसंधान सेवाओं के संचालक, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के डॉ. जीके कौतु आईआरआरआई परियोजना के निरीक्षण दौरे के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय बालाघाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय की पुस्तकालय, संग्रहालय, विभिन्न विभागों की प्रयोगशालाओं तथा कृषि फार्मों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों एवं शोध कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख, सभी सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की भी उपस्थिति रहीं। डॉ. कौतु ने महाविद्यालय की सुविधाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की तथा उन्हें उत्कृष्ट अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया।